Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 223 | रविवार, 23 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

काशी में जापानी प्रतिनिधिमंडल का आगमन, निवेश और औद्योगिक सहयोग को मिलेगी नई दिशा

उगते सूरज की धरती जापान और आध्यात्मिक नगरी काशी का मिलन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

वाराणसी। जापान की 'उगते सूरज की धरती' और काशी की आध्यात्मिक सुबह अब भारत-जापान के सदियों पुराने मैत्रीपूर्ण संबंधों को औद्योगिक सहयोग की नई ऊंचाई देने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत की संस्कृति, धर्म और कला तथा काशी की समृद्ध विरासत को वैश्विक मंच पर पहुंचाने के प्रयास कर रही है। आज (22 अगस्त) करीब 109 सदस्यीय उच्चस्तरीय जापानी प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर धर्म और अध्यात्म की नगरी काशी पहुंचेगा। जापान के यामानाशी प्रिफेक्चर के माननीय गवर्नर के नेतृत्व में आ रहे इस प्रतिनिधिमंडल में जापान की प्रमुख कंपनियों के कई वरिष्ठ अधिकारी और सीईओ शामिल होंगे। प्रतिनिधिमंडल के वाराणसी दौरे से उत्तर प्रदेश में निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा मिलने के साथ ही पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। जापानी प्रतिनिधिमंडल भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ का भ्रमण करेगा, विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती और काशी की कला-संस्कृति से रूबरू होगा। इस दौरान मेहमानों को काशी की सदियों पुरानी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और हस्तशिल्प परंपरा की झलक भी देखने को मिलेगी।

सारनाथ का भ्रमण और गंगा आरती देखेगा जापानी दलसरकार

22 अगस्त को दोपहर में वाराणसी पहुंचने के बाद जापानी प्रतिनिधिमंडल हाल ही में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल हुई तथागत की तपोस्थली सारनाथ का भ्रमण करेगा । इसके बाद दल नमो घाट पर गंगा आरती का अद्भुत दृश्य देखेगा। शाम को ताज होटल में डिनर के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भारतीय संस्कृति, कला और हस्तशिल्प से परिचित होंगे।23 अगस्त को प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख सदस्यों में से कुछ लोग श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे, जबकि अन्य सदस्य एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे।

'निवेश और औद्योगिक सहयोग पर रहेगा जोर' उत्तर प्रदेश मजबूत कानून-व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, सरल औद्योगिक नीतियों, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। जापानी प्रतिनिधिमंडल के दौरे का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में निवेश एवं औद्योगिक सहयोग को प्रोत्साहित करना तथा हाइड्रोजन और स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, अवसंरचना, पर्यटन और मानव संसाधन विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को तलाशना है।यह दौरा उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के साथ ही भारत-जापान, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश और यामानाशी प्रिफेक्चर के बीच औद्योगिक सहयोग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। 'जीआई और ओडीओपी उत्पादों के लगेंगे स्टॉल, दिखेगी काशी की सांस्कृतिक विरासत' जापानी मेहमानों को काशी की सदियों पुरानी हस्तशिल्प परंपरा से परिचित कराने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और जीआई उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें काशी की प्रसिद्ध गुलाबी मीनाकारी, सॉफ्ट स्टोन कार्विंग , वुडन लैकरवेयर एंड टॉयज (लकड़ी के खिलौने) और बनारसी सिल्क साड़ी समेत अन्य स्थानीय हस्तशिल्प उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके साथ ही मेहमानों के लिए भारतीय संगीत और नृत्य की सांस्कृतिक प्रस्तुति भी होगी।

दिल्ली में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की हाई-लेवल बैठक

आगामी विधानसभा चुनावों की बिछी बिसात

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार करना, जमीनी स्तर की रणनीतियों को मजबूत बनाना और देश के युवाओं तक पार्टी की पहुंच को प्रभावी ढंग से बढ़ाना था। बैठक में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में अगले वर्ष होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और चुनावी रणनीति पर विस्तृत मंथन किया गया। इसके साथ ही केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाने पर सहमति बनी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में हाल ही में 65 सदस्यों वाली नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की गई थी, जिसमें अनुभव और युवा ऊर्जा का संतुलन देखा जा रहा है।

नबीन, जो BJP के अब तक के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, BJP की राज्य इकाइयों के अध्यक्षों, राज्य प्रभारियों और BJP शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ भी और बैठकें करेंगे।

यह घटनाक्रम BJP द्वारा नबीन की टीम की घोषणा के कुछ दिनों बाद हुआ है, जिसमें 65 पदाधिकारी शामिल हैं। इस टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं, जिनमें राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत और राम माधव शामिल हैं।

इस फेरबदल के तहत, BJP ने कहा कि बीएल संतोष राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) होंगे, जबकि शिवप्रकाश और सौदान सिंह राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव (संगठन) होंगे। वहीं, विनोद तावड़े, सुनील बंसल, बिप्लब कुमार देब, स्मृति ईरानी, सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी और संजय भाटिया राष्ट्रीय महासचिव होंगे। दूसरी ओर, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को BJP का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया। BJP ने अमित मालवीय की जगह दीपक म्हास्के को अपने IT विभाग का प्रमुख भी नियुक्त किया है। वहीं, लोकसभा सदस्य तेजस्वी सूर्या की जगह हेमांग जोशी को BJP युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने (पहले ट्विटर) पर नए पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा, 'BJP के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों और पार्टी में विभिन्न जिम्मेदारियां पाने वाले सभी लोगों को बधाई।' 'यह नई टीम संगठनात्मक अनुभव, ऊर्जा और जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ाव का संगम है। मुझे भरोसा है कि वे हमारी पार्टी को मजबूत करने और जनसेवा पर ध्यान केंद्रित करने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे। मेरी शुभकामनाएँ उनके साथ हैं।'

गाजियाबाद में सरकारी दफ्तरों का कड़वा सच

'सिस्टम' का नंगा नाच: एसडीएम दफ्तर से तहसील तक रेट लिस्ट फिक्स, बिना 'चढ़ावे' के सरकारी बाबू का पेन तक नहीं हिलते!

15 दिन की सरकारी समय-सीमा बनी मजाक, 4 अगस्त के आवेदन पर 20 दिन बाद भी पीड़ित दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर

कैमरे तो सिर्फ शो-पीस हैं, सीसीटीवी के सामने खुलेआम चल रही 400-500 रुपये की 'टेबल-टू-टेबल' रिश्वतखोरी

गरीब रिक्शेवाले की जाति से लेकर वारिसान प्रमाण-पत्र तक, हर टेबल और हर लेवल की कट-मनी तय

ललित शर्मा

गाजियाबाद। खबर छाप लो, वीडियो बना लो या मुख्यमंत्री तक शिकायत भेज दो... हमारा बाल भी बांका नहीं होगा, यह अहंकार और यह हेकड़ी किसी दबंग या अपराधी की नहीं, बल्कि गाजियाबाद की तहसील और एसडीएम कार्यालय में बैठे उन सरकारी मुलाजिमों की है, जिनकी चमड़ी भ्रष्टाचार के दलदल में गाढ़ी हो चुकी है। सुशासन, जीरो टॉलरेंस और तय समय-सीमा का ढोल पीटने वाले प्रशासनिक तंत्र की कलई गाजियाबाद तहसील में पूरी तरह खुल चुकी है। यहां आम जनता के खून-पसीने की कमाई को किस कदर निचोड़ा जाता है, इसका ज्वलंत उदाहरण जनता की दर्द बयां कर रही है।

कार्य / पटल	सरकारी समय-सीमा	'दलाली/चढ़ावे' का फिक्स रेट
डाक रिसीविंग व एंट्री	तत्काल	₹ 50 - ₹ 100
रिपोर्ट फॉरवर्डिंग (बाबू पटल)	2-3 दिन	₹ 400 - ₹ 500
जाति / आय प्रमाण-पत्र	7-15 दिन	₹ 200 - ₹ 500
वारिसान / उत्तराधिकार	15 दिन	₹ 500 - ₹ 1500

शासकीय तंत्र से सीधे सवाल

- क्या एसडीएम और जिलाधिकारी गाजियाबाद पिछले एक महीने की डाक रजिस्टर और सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक कर जांच कराने की हिम्मत दिखाएंगे?
- तय समय-सीमा से ज्यादा समय तक लटकाई गई फाइलों के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों पर गाज कब गिरेगी?
- क्या गाजियाबाद के सरकारी दफ्तरों को रिश्वतखोरी के इस 'नंगे नाच' से मुक्ति मिलेगी या जनता को सड़कों पर उतरना पड़ेगा?

डाक रिसीविंग से लेकर अधिकारियों के बाबू तक... रेट कार्ड फिक्स!

तहसील परिसर में कदम रखते ही भ्रष्टाचार की पूरी चेन शुरू होती है। गरीब रिक्शे-तांगे वाले को जाति प्रमाण-पत्र बनवाना हो या किसी लाचार परिवार को मृतक का वारिसान प्रमाण-पत्र, हर टेबल का दाम तय है । अगर कोई नागरिक अपने हक के लिए बिना पैसे दिए लाइन में खड़ा हो जाए, तो उसकी फाइल महीनों धूल फांकती रहेगी या उस पर फर्जी 'तकनीकी कमी' लगाकर खारिज कर दिया जाएगा।

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रिश्वत का खुला खेल

सरकारी दफ्तरों में पारदर्शिता का ढोंग रचने के लिए दीवारों पर लाखों रुपये के सीसीटीवी कैमरे टांगे गए हैं। लेकिन सच यह है कि ये कैमरे सिर्फ दिखावे का शो-पीस हैं। इन्हीं कैमरों के ठीक नीचे बैठकर बाबू और कर्मचारी सरेआम 400-500 रुपये के नोट अपनी जेबों में ठूंस रहे हैं। कैमरे चल रहे हैं, लेकिन क्या साहब की नजर इन पर नहीं पड़ती? या फिर सच यह है कि इन कैमरों की आड़ में पूरे सिंडिकेट का हिस्सा ऊपर तक पहुंचता है? गाजियाबाद के एसडीएम और आला अधिकारियों की नाक के नीचे चल रहा यह नंगा नाच साबित करता है कि तंत्र की चमड़ी इस कदर मोटी हो चुकी है कि इन्हें न तो जनता के आक्रोश का डर है और न ही शासन के आदेशों का खौफ।

जीएसटी से लेकर तहसील तक... 'बिना चढ़ावे काम नहीं' की नीति

यह सिर्फ तहसील का हाल नहीं है। गाजियाबाद का कोई भी सरकारी महकमा उठा लीजिए, जीएसटी दफ्तर हो, विकास प्राधिकरण हो या तहसील, हर जगह एक ही नीति लागू है- पहले चढ़ावा, फिर काम। इलाहाबाद हाईकोर्ट तक के सख्त निर्देश हैं कि उत्तराधिकार या अन्य जनसेवा संबंधी प्रक्रियाओं में जनता को बेवजह कानूनी पेचीदगियों और शर्तों में न उलझाया जाए। लेकिन गाजियाबाद के भ्रष्ट अफसर और बाबू अदालती आदेशों को भी रद्दी का टुकड़ा समझते हैं। गरीब रिक्शेवाले से लेकर मध्यमवर्गीय नागरिक तक, हर किसी को इस सड़ चुके भ्रष्ट सिस्टम में ढलने पर मजबूर किया जा रहा है। यह खबर सीधे गाजियाबाद के उन आला अधिकारियों के लिए भी है जो एसी कमरों में बैठकर सुशासन का दावा करते हैं। अब अधिकारियों को यह तय करना होगा कि वह इस भ्रष्ट सिंडिकेट पर बुलडोजर चलाएंगे या खुद को इस भ्रष्टाचार का हिस्सा स्वीकार करेंगे।

संपादक की कलम से

रूस चीन और उत्तर कोरिया की, अमेरिका के खिलाफ न्यूक्लियर साझेदारी

ललित शर्मा
संपादक

रूस यूक्रेन युद्ध को चार साल से ज्यादा समय हो चुका हैं' यूक्रेन द्वारा मास्को में बड़े ड्रोन अटैक के बाद पुतिन प्रशासन पूरा हिल गया है। इसके अलावा यूक्रेन मिसाइल से रूसी युद्धपोत पर हमले से रूस की सेना घबरा गई है' इतने दिनों के युद्ध के बाद भी यूक्रेन युद्ध से पीछे हटने को बिल्कुल तैयार नहीं है और अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस ,ऑस्ट्रेलिया तथा अन्य देशों की सामरिक मदद से यूक्रेन और बलशाली हो गया है वह लगातार काउंटर अटैक यूरोप की सेना पर कर रहा है। रूसी सेना यूक्रेन के सामने कई मोर्चों में कमजोर दिखाई देने लगी है। इसमें दो मत नहीं के रूस ने यूक्रेन को कमतर आंक कर बहुत बड़ी भूल की है यूक्रेन लगातार युद्ध मैं डटा हुआ है। अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी के अनुसार रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच पूरी दुनिया के सामने कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जिससे न केवल अमेरिका की मुश्किलें बढ़ा दी हैं बल्कि सभी पश्चिमी देशों को गहन चिंता में डाल दिया है। उत्तर कोरिया के विक्ट्री डे उत्सव मनाने के दौरान रूस के रक्षा मंत्री सरगई शोइगू और चीन की महत्वपूर्ण कम्युनिस्ट पार्टी के सीनियर सदस्य ली होंग जोंग मौजूद नजर आए। यह तो तय है कि पुतिन, शी जिनपिंग और किम योंग के बीच अमेरिका तथा यूक्रेन के खिलाफ नई खिचड़ी पक रही है। तीनों के बीच नई न्यूक्लियर साझेदारी गुप्त रूप से की गई है जो निसंदेह अमेरिका तथा पश्चिमी देशों के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। एजेंसियों द्वारा बताया गया कि उत्तरी कोरिया के अधिकारिक भवन में वहां के तानाशाह किम के साथ पुतिन के बड़े–बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। इसके अलावा इस नॉर्थ कोरिया के विजय दिवस पर मिसाइल का परीक्षण भी किया गया एवं पुतिन के दाया हाथ माने जाने वाले रक्षा मंत्री सर्गेई तथा चीन के महत्वपूर्ण प्रतिनिधि ली होंग जोंग की मौजूदगी यूक्रेन तथा अमेरिका के खिलाफ परमाणु संधि को परिणाम देती नजर आ रही है और यह गुप्त संधि अमेरिका तथा पश्चिमी देशों के खिलाफ परमाणु युद्ध की एक बड़ी चेतावनी भी है। अब ऐसा लगने लगा है कि रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करते हुए 4 साल 6 माह से ज्यादा बीत जाने के पश्चात रूस को अपनी कमजोरियों का एहसास होने लगा है। रूस की जनता भी अब इस लंबे युद्ध से ऊब चुकी है पुतिन के सैन्य अधिकारी तथा सेना भी युद्धविराम चाहती है पर पुतिन की जिद के कारण उन्हें युद्ध में अपनी जान गंवानी पड़ रही है। रूस को अपनी युद्ध में कमजोरियां साफ नजर आ रही है और यही वजह है कि रूस अब दुनिया से मदद की अपेक्षा करने लगा है खासकर उन देशों से जिनकी विशिष्ट पहचान अमेरिका तथा पश्चिमी देशों से कट्टर दुश्मन के तौर पर होती है। रूस की योजना के अनुसार रूस, चीन और नॉर्थ कोरिया यूक्रेन के खिलाफ जंग में अमेरिका के खिलाफ भी एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं। यह तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है की तीनों परमाणु शक्ति संपन्न देश अमेरिका द्वारा यूक्रेन को मदद करने कि प्रतिक्रिया के फल स्वरुप यूक्रेन तथा अमेरिका पर कभी भी परमाणु आक्रमण कर सकते हैं। इसकी वजह एकदम साफ है की जब यूक्रेन ने मास्को में एक के बाद एक कई ड्रोन अटैक करके राजधानी में हड़कंप मचा दिया है। इससे यह साफ नजर आता है की रूस की खुफिया एजेंसियों कि यह बड़ी असफलता ही है इसके अलावा मास्को की सुरक्षा के लिए लगाए गए डिफेंस सिस्टम भी इस आक्रमण के खिलाफ कुछ नहीं कर सके थे। अब यह वैश्विक स्तर पर माना जाने लगा है की यूक्रेन की हिम्मत के सामने रूस की ताकत बहुत कमजोर पड़ती नजर आ रही है। डेढ़ साल के रूस यूक्रेन युद्ध में रूस की अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर पड़ गई है। उसका आवश्यक वस्तुओं का निर्यात ,उत्पादन एकदम कम हो गया है। अमेरिका तथा नाटो देशों ने रूस के निर्यात तथा विदेशी आर्थिक नीतियों पर कड़े नियंत्रण तथा विरोध के कारण अब रूस की जीडीपी काफी नीचे आ गई है।

काश ! मैं भी होता सिपाही

उदय कशोर साह

कविता

काश ! मैं भी होता भगत सिंह सा सपूत
दुश्मन का सर कलम करता मैं हजार
ब्रिटिश हुकूमत की चूल हिला कर उनको
सीने में खंजर से करता वार सौ बार

काश! मैं भी होता चन्द्रशेखर आजाद
अत्याचारी दुश्मन का करता मैं संहार
माँ भारती से गद्दारी करने वालें को भी
सीने में देता गोली का ईनाम आर पार

काश ! मैं भी होता खुदीराम बोस। सा
फाँसी पे झूलने से पहले खींच लेता तलवार
मातृभुमि को गुलाम को गुलाम बनाने वाले
बेरहमी से करता तुमपे तलवार से वार

काश! मैं भी होता सुभाष चन्द्र बोस जैसा
गद्दारों को करता पहले बारूद से प्रहार
ब्रिटिश हुकुमरानों से दोस्ती निभाने वाले भी
मेरे हाथ से हो भेजा जाता यमराज के द्वार

काश ! मैं भी होता आजादी। के वीर सिपाही
माँ भारती पे अपना जीवन कर देता न्यौछावर
मर मिटता इस माटी के लिये दिल में तमन्ना
डायर से करता जालियांवाला बाग पे रार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

विज्ञान संग्रहालय: जहाँ जिज्ञासा खोज में बदल जाती है

डॉ विजय गर्ग
लेखक

विज्ञान संग्रहालय केवल मॉडलों, मशीनों, तस्वीरों और वैज्ञानिक उपकरणों का संग्रह नहीं होता। यह वह स्थान है जहाँ जिज्ञासा जीवंत होती है, प्रश्न पूछने का साहस मिलता है और जटिल वैज्ञानिक विचारों को आसानी से समझने का अवसर मिलता है। कक्षा में विद्यार्थी अक्सर पुस्तकों, चित्रों और परीक्षाओं के माध्यम से विज्ञान सीखते हैं। लेकिन विज्ञान संग्रहालय में वे वैज्ञानिक अवधारणाओं को देख, छू, उनका निरीक्षण और कई बार स्वयं प्रयोग करके समझ सकते हैं। इससे सीखने का अनुभव अधिक यादगार और अर्थपूर्ण बन जाता है। विज्ञान ने मानव जीवन के लगभग हर क्षेत्र को बदल दिया है। बिजली और चिकित्सा से लेकर अंतरिक्ष अनुसंधान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संचार और परिवहन तक वैज्ञानिक खोजों ने हमारे जीवन के तरीके को बदल दिया है। फिर भी बहुत से लोग विज्ञान को केवल पुस्तकों या समाचारों के माध्यम से जानते हैं। विज्ञान संग्रहालय वैज्ञानिक ज्ञान को आम लोगों और विशेष रूप से युवा विद्यार्थियों के करीब लाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

विज्ञान पढ़ने से विज्ञान को अनुभव करने तक

विज्ञान संग्रहालय की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह अमूर्त वैज्ञानिक विचारों को प्रत्यक्ष अनुभवों में बदल देता है। किसी पुस्तक में ग्रहों की गति, मानव हृदय के कार्य या विद्युत के परिपथ में प्रवाह के बारे में पढ़ा जा सकता है। संग्रहालय में इन्हीं बातों को कार्यशील मॉडलों, एनीमेशन, प्रयोगों और इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों के माध्यम से समझाया जा सकता है। जब विद्यार्थी किसी वैज्ञानिक सिद्धांत को अपनी आँखों के सामने कार्य करते हुए देखते हैं, तो वे केवल परिभाषा याद करने के बजाय उसे अधिक गहराई से समझ सकते हैं। सौरमंडल का मॉडल ग्रहों की गति को समझने में सहायता कर सकता है। कोई चलती हुई मशीन यांत्रिकी के सिद्धांतों को स्पष्ट कर सकती है। प्रकाश, ध्वनि या चुंबकत्व से जुड़े प्रयोग कठिन पाठ को रोचक अनुभव में बदल सकते हैं। इसलिए विज्ञान संग्रहालय कक्षा का विकल्प नहीं, बल्कि उसका एक महत्वपूर्ण विस्तार है।

जिज्ञासा की शक्ति

हर वैज्ञानिक खोज की शुरूआत एक प्रश्न से होती है। वस्तु नीचे क्यों गिरती है? चंद्रमा का आकार बदलता हुआ क्यों दिखाई देता है? पक्षी कैसे उड़ते हैं? मानव शरीर बीमारियों से कैसे लड़ता है? मशीनें सीखना कैसे शुरू करती हैं? बच्चों में स्वाभाविक रूप से प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति होती है। लेकिन पारंपरिक शिक्षा में कई बार सही उत्तर खोजने पर इतना अधिक जोर दिया जाता है कि अच्छे प्रश्न पूछने का महत्व पीछे रह जाता है। विज्ञान संग्रहालय जिज्ञासा को फिर से सीखने के केंद्र में लाते हैं। एक अच्छा प्रदर्शन केवल जानकारी नहीं देता, बल्कि सोचने के लिए प्रेरित करता है। कोई इंटरैक्टिव मॉडल बच्चे को किसी परिवर्तन का परिणाम देखने का अवसर दे सकता है। कोई वैज्ञानिक पहेली अनुमान लगाने के लिए प्रेरित कर सकती है। ऐसे

अनुभव निरीक्षण, तर्क और प्रयोग की आदत विकसित करते हैं। विज्ञान संग्रहालय का सबसे मूल्यवान पाठ शायद कोई विशेष वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि 'क्यों?' पूछने की आदत है।

विज्ञान संग्रहालय और शिक्षा

विज्ञान संग्रहालय विज्ञान शिक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले विद्यार्थियों को अनौपचारिक सीखने के वातावरण में वैज्ञानिक विचारों से परिचित होने का अवसर मिलता है। विद्यालयी यात्राएँ कक्षा में पढ़ाए गए पाठों को व्यावहारिक प्रदर्शनों से जोड़ सकती हैं। शिक्षकों के लिए भी विज्ञान संग्रहालय उपयोगी शैक्षिक संसाधन बन सकते हैं। किसी संग्रहालय यात्रा को भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, पर्यावरण विज्ञान, खगोल विज्ञान और तकनीक के पाठों से जोड़ा जा सकता है।

विद्यार्थियों को यात्रा से पहले प्रश्न तैयार करने और लौटने के बाद अपने निरीक्षणों पर चर्चा करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। इस प्रकार संग्रहालय की यात्रा केवल मनोरंजन नहीं रहती, बल्कि एक सार्थक सीखने का अनुभव बन जाती है।

इंटरैक्टिव शिक्षा के माध्यम से सीखना

आधुनिक विज्ञान संग्रहालयों में इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों का उपयोग बढ़ रहा है। काँच के पीछे किसी वस्तु को केवल देखने के बजाय दर्शक किसी तंत्र को चला सकते हैं, सरल प्रयोग कर सकते हैं या किसी परिस्थिति में परिवर्तन के परिणाम को देख सकते हैं। इंटरैक्टिव शिक्षा दर्शकों को निष्क्रिय देखने वालों के बजाय सक्रिय भागीदार बनाती है। वे अपनी गति से खोज करते हैं और प्रयोग तथा निरीक्षण के माध्यम से सीखते हैं। उदाहरण के लिए, बलों से संबंधित कोई प्रदर्शनी विभिन्न परिस्थितियों में प्रयोग करने का अवसर दे सकती है। प्रकाश से जुड़ा कोई मॉडल यह दिखा सकता है कि मस्तिष्क तस्वीरों की व्याख्या कैसे करता है। रोबोटिक्स प्रदर्शनी यह समझा सकती है कि सेंसर और प्रोग्रामिंग मशीनों को अपने आसपास की परिस्थितियों के प्रति प्रतिक्रिया करने योग्य कैसे बनाते हैं। ऐसे अनुभव वैज्ञानिक अवधारणाओं को अधिक सरल और रोचक बनाते हैं।

तकनीक की भूमिका

तकनीक आधुनिक विज्ञान संग्रहालयों को बदल रही है। डिजिटल स्क्रीन, कंप्यूटर सिमुलेशन, ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी और मल्टीमीडिया प्रस्तुतियाँ उन घटनाओं को समझाने में सहायता करती हैं जिन्हें वास्तविक रूप में प्रदर्शित करना कठिन होता है। दर्शक वर्चुअल रूप से मानव शरीर के भीतर की यात्रा कर सकते हैं, किसी दूसरे ग्रह की सतह का अध्ययन कर सकते हैं या खगोलीय घटनाओं को देख सकते हैं। जटिल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को एनीमेशन और सिमुलेशन के माध्यम से सरल बनाया जा सकता है। लेकिन तकनीक को साधन ही रहना चाहिए, मुख्य आकर्षण नहीं। विज्ञान संग्रहालय केवल स्क्रीन का संग्रह नहीं बनना चाहिए। तकनीक का उद्देश्य समझ को बेहतर बनाना, जिज्ञासा जगाना और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना होना चाहिए।

भविष्य के वैज्ञानिकों को प्रेरित करना

विज्ञान संग्रहालय किसी युवा के भविष्य को अप्रत्याशित तरीके से प्रभावित कर सकता है। रोबोटिक भुजा, दूरबीन, डायनासोर का जीवाश्म या अंतरिक्ष यान का मॉडल देखकर कोई बच्चा इंजीनियरिंग, खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान या भू-विज्ञान में रुचि ले सकता है। हर दर्शक वैज्ञानिक नहीं बनेगा और यह संग्रहालय का एकमात्र उद्देश्य भी नहीं होना चाहिए। विज्ञान शिक्षा का उद्देश्य ऐसे वैज्ञानिक रूप से जागरूक नागरिक तैयार करना भी है जो प्रमाणों को समझ सकें, दावों की जाँच कर सकें और सोच-समझकर निर्णय ले सकें। फिर भी विज्ञान संग्रहालय विज्ञान, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, तकनीक और अनुसंधान के क्षेत्रों में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रेरणा बन सकते हैं।

विज्ञान को दैनिक जीवन से जोड़ना

विज्ञान शिक्षा में एक सामान्य समस्या यह है कि विद्यार्थियों को लगता है कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं और पुस्तकों में होता है। वास्तव में विज्ञान हमारे चारों ओर मौजूद है। खाना पकाने में रसायन विज्ञान है। चलने में भौतिकी और जीव विज्ञान की भूमिका है। स्मार्टफोन इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर विज्ञान और संचार तकनीक पर आधारित हैं। मौसम वायुमंडलीय विज्ञान से जुड़ा है। कृषि में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। विज्ञान संग्रहालय लोगों को इन संबंधों को पहचानने में सहायता कर सकते हैं। जब वैज्ञानिक सिद्धांतों को दैनिक जीवन से जोड़ा जाता है, तो विज्ञान कोई दूर की चीज नहीं रह जाता, बल्कि जीवन का हिस्सा बन जाता है।

विज्ञान और समाज

विज्ञानसंग्रहालयों की एक महत्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारी भी है। आज समाज जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल संकट, ऊर्जा की बढ़ती आवश्यकता, उभरती बीमारियों, जैव-विविधता की रक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार उपयोग जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन विषयों को समझने के लिए लोगों को विश्वसनीय वैज्ञानिक जानकारी की आवश्यकता है। संग्रहालय जटिल विषयों को सरल भाषा में प्रस्तुत कर सकते हैं और प्रमाण-आधारित सोच को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

वे यह भी समझा सकते हैं कि विज्ञान केवल तथ्यों का संग्रह नहीं है। वैज्ञानिक ज्ञान निरीक्षण, प्रयोग, प्रमाण, विचार-विमर्श और निरंतर संशोधन की प्रक्रिया से विकसित होता है। गलत सूचना के युग में इस प्रक्रिया को समझना और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

लापता बेटी की तलाश में सिर्फ पुलिस नहीं, पूरा समाज चाहिए

प्रो. आरके जैन
लेखक

किसी बच्चे के लापता होने की खबर को हम अक्सर एक छोटे-से पुलिस केस की तरह पढ़ते हैं—नाम, उम्र, पता और थाना। लेकिन बच्चा घर से ओझल होता है, तो केवल एक जीवन नहीं, पूरा भविष्य अंधेरे में चला जाता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की क्राइम इन इंडिया 2024 रिपोर्ट में दर्ज 98,375 लापता बच्चों का आँकड़ा इसी त्रासदी का आईना है। इनमें 75,603 लड़कियाँ, 22,768 लड़के और चार ट्रांसजेंडर बच्चे हैं। यानी 76.8 प्रतिशत लापता बच्चे लड़कियाँ हैं। 2023 के 91,296 के मुकाबले यह संख्या 7.8 प्रतिशत बढ़ी है। पिछले वर्षों के अनट्रेस्ड बच्चों को जोड़ें तो आँकड़ा 1,47,175 तक पहुँच जाता है। पश्चिम बंगाल 22,742 मामलों के साथ सबसे ऊपर है। ये महज संख्याएँ नहीं, उतने ही घरों की बुझती उम्मीदें हैं।

सवाल यह नहीं कि लड़कियाँ इतनी अधिक लापता क्यों होती हैं; असली सवाल है कि समाज ने ऐसी स्थितियाँ क्यों बना रखी हैं, जिनमें किसी लड़की का गायब होना आसान है। घरेलू काम के नाम पर गाँव से शहर, रोजगार के बहाने दूसरे प्रदेश, विवाह के झाँसे में अनजान घर और बेहतर भविष्य के लालच में तस्करी—रास्ते अलग हैं, मंजिल एक ही। पश्चिम बंगाल में 2024 के 15,849 लापता बच्चों में लड़कियों की हिस्सेदारी बहुत अधिक रही। गरीबी जब परिवार की मुट्ठी कसती है, तो दलाल का झूठ भी रोजगार का भरोसा लगता है। बेटी को सुरक्षित भविष्य देने की चाह कई बार उसे असुरक्षित दुनिया के हवाले कर देती है। आँकड़ों से बड़ा सवाल उनकी विश्वसनीयता का है। 2024 में 98,826 बच्चों को ट्रेस या रिकवर किए जाने की सूचना है, फिर

भी पिछले वर्षों के करीब 48,350 बच्चे अनट्रेस्ड हैं। तलाश खत्म नहीं हुई, सिर्फ रजिस्टर का पन्ना पलटा है। कुछ राज्यों में लापता बच्चों की संख्या शून्य या बेहद कम होना सवाल खड़े करता है। क्या हर परिवार थाने पहुँचता है? क्या हर शिकायत को बराबर गंभीरता मिलती है? क्या गरीब, ग्रामीण और हाशिए के परिवारों की आवाज उतनी जल्दी सुनी जाती है? पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और ओडिशा के लगातार ऊँचे आँकड़े बताते हैं कि यह एक प्रदेश नहीं, पूरे तंत्र की समस्या है। यह उस व्यवस्था की परीक्षा है, जो बच्चे के गायब होने पर जागती है, पहले नहीं। लड़की के लापता होने की कहानी को केवल अपराध मानना अधूरा होगा; इसके पीछे अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र भी है। जिस घर में दो वक्त की रोटी का हिसाब रोज बदलता हो, वहाँ शहर में नौकरी का वादा चमत्कार से कम नहीं लगता। शिक्षा से बाहर हुई लड़की आसान लक्ष्य बन जाती है, क्योंकि उसके पास अवसर कम और निर्भरता अधिक होती है। पितृसत्तात्मक सोच—जिसमें बेटी को आज भी कई घरों में 'पराया धन' समझा जाता है—उसकी सुरक्षा को भी दोयम दर्जा देती है। पलायन, बेरोजगारी, अशिक्षा और अवसरों की कमी वह अंधेरा रचते हैं, जिसमें तस्करी फलती है। 16 से 18 वर्ष की किशोरियाँ विशेष रूप से इसकी चपेट में आती हैं। कानून, पुलिस व्यवस्था, हेल्पलाइन और पुनर्वास संस्थाएँ हैं; फिर भी लड़की के गायब होने और सुरक्षित लौटने के बीच लंबी सुरंग है। घरेलू काम में लगाई गई बच्चियाँ चार दीवारों में अदृश्य हो जाती हैं। उनके पास दस्तावेज, नियमित संपर्क और बाहर की दुनिया तक पहुँच नहीं होती। तस्करी के कई मामले 'लापता' के खाते में दबे रहते हैं। 67 प्रतिशत रिकवरी रेट उपलब्धि दिख सकता है, लेकिन हर बरामदगी के साथ पूछना जरूरी है कि बच्ची किस हालत में मिली, उसका पुनर्वास कैसे हुआ और क्या वह फिर उसी खतरे में लौटी। आँकड़ा मिलने से जीवन वापस नहीं मिलता; जीवन तब लौटता है, जब सुरक्षा, सम्मान और भविष्य भी लौटे। सबसे खतरनाक स्थिति तब होगी, जब समाज इन संख्याओं का आदी हो जाए। 98,375 लापता बच्चों में 75,603 लड़कियाँ—यानी हर चार लापता बच्चों में तीन लड़कियाँ। इतनी बड़ी असमानता संयोग नहीं, हमारे सामाजिक ढाँचे की भाषा है। गाँव में लड़की गायब होती है तो खबर ठंडी पड़ जाती है। अखबार का कॉलम बदलता है, पुलिस की फाइल मोटी होती जाती है और परिवार की प्रतीक्षा लंबी। उस घर में कैलेंडर की तारीखें नहीं बदलतीं, सिर्फ उम्मीद की उम्र बढ़ती जाती है। जब तक लड़की की सुरक्षा परिवार की जिम्मेदारी और उसकी गुमशुदगी निजी दुख मानी जाएगी, तब तक राष्ट्रीय आँकड़ों में छिपा संकट हमारी सामूहिक चेतना से बाहर रहेगा। तस्करी रोकने का रास्ता केवल पुलिस या प्राथमिकी से नहीं निकलता। सुरक्षा की पहली चौकी स्कूल है, दूसरी पंचायत, तीसरी परिवार और फिर पुलिस। हर लापता बच्चे के मामले को प्राथमिकता मिले, डेटा राज्यों और जिलों तक पारदर्शी हो, कम रिपोर्टिंग की स्वतंत्र जाँच हो और स्कूल छोड़ चुकी किशोरियों की निगरानी बने। घरेलू काम के लिए बच्चों को ले जाने वाले नेटवर्क पर कठोर कार्रवाई के साथ सुरक्षित रोजगार, कौशल और शिक्षा के रास्ते खोलने होंगे।

बारिश का कहर या व्यवस्था की विफलता?-विकास के दावों के नीचे डूबता भारत

एनके शर्मा
लेखक

बारिश प्रकृति का वरदान है, लेकिन जब यही बारिश शहरों को डुबो दे, सड़कों को नदियों में बदल दे, घरों में तबाही मचा दे, यातायात को पंगु कर दे और गरीब की जिंदगी की आखिरी जमा-पूंजी बहा ले जाए, तो सवाल सिर्फ बादलों से नहीं, व्यवस्था से भी होना चाहिए। आखिर हर मानसून में भारत क्यों डूबता है? क्या बारिश असामान्य है, या हमारी व्यवस्था असामान्य रूप से लापरवाह हो चुकी है?

आज देश में विकास के बड़े-बड़े दावे हैं—स्मार्ट सिटी, एक्सप्रेसवे, फ्लाईओवर, अंडरपास, चौड़ी सड़कें, गगनचुंबी इमारतें और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर। लेकिन उसी विकास की चमक के नीचे जरा-सी तेज बारिश में शहरों की पोल खुल जाती है। सड़कें तालाब बन जाती हैं, नाले उफन पड़ते हैं, अंडरपास जलसमाधि लेने लगते हैं और प्रशासन अचानक 'असाधारण बारिश' का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बचने लगता है। सवाल यह है कि यदि बारिश हर वर्ष आती है तो वह प्रशासन के लिए असाधारण कैसे हो गई? प्रकृति ने बारिश का रास्ता नहीं बदला; हमने पानी के रास्ते बदल दिए। हमने तालाब पाट दिए, जलभराव वाले क्षेत्रों पर कंक्रीट बिछा दी, प्राकृतिक नालों को संकरा कर दिया, नदियों के बाढ़ क्षेत्रों में निर्माण खड़ा कर दिया और धरती को इतना सीमेंट पहना दिया कि वर्षाजल के लिए जमीन में उतरने की जगह ही नहीं बची। फिर जब पानी अपने प्राकृतिक रास्ते तलाशता हुआ सड़कों और घरों में पहुंचता है, तो हम उसे 'प्राकृतिक आपदा' कहकर अपनी करतूतों पर पर्दा डाल देते हैं।

 यह केवल मौसम की मार नहीं है; यह वर्षों से जारी अव्यवस्थित विकास, भ्रष्टाचार, कागजी योजनाओं और प्रशासनिक उदासीनता का संयुक्त परिणाम है। शहरी बाढ़ पर वैज्ञानिक अध्ययनों ने अत्यधिक वर्षा के साथ अनियोजित शहरीकरण, कमजोर जलनिकासी, कचरा, जलस्त्रोतों के क्षरण और मानवीय हस्तक्षेप को प्रमुख कारणों में गिना है। यानी समस्या बादलों में जितनी है, उससे कहीं अधिक जमीन पर है। फिर भी हर साल वही कहानी दोहराई जाती है। मानसून से पहले नालों की सफाई के दावे होते हैं। अधिकारी निरीक्षण करते हैं। तस्वीरें खिंचती हैं। बैठकें होती हैं। बजट जारी होता है। टेंडर निकलते हैं। और फिर पहली तेज बारिश सारी तैयारियों की असलियत सड़क पर बहा ले जाती है। यदि नाले साफ थे तो पहली बारिश में बंद क्यों हो गए? यदि ड्रेनेज व्यवस्था पर्याप्त थी तो सड़कें नदी क्यों बन गईं? यदि सड़कें गुणवत्तापूर्ण थीं तो कुछ ही घंटों की बारिश में गड्ढों का साम्राज्य कैसे खड़ा हो गया? यदि शहर की योजना वैज्ञानिक थी तो जलभराव के लिए वही स्थान हर साल क्यों चिन्हित होते हैं? इन प्रश्नों का उत्तर जनता को चाहिए, प्रेस विज्ञप्ति नहीं। हमारे विकास मॉडल की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम उन चीजों पर करोड़ों खर्च करते हैं जो दिखाई देती हैं, लेकिन उन प्रणालियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दिखाई नहीं देतीं। चमचमाती सड़क उद्घाटन का विषय बनती है, लेकिन उसके नीचे की जलनिकासी व्यवस्था नहीं। नया फ्लाईओवर राजनीतिक उपलब्धि बन जाता है, लेकिन बचाया गया तालाब नहीं। नई कॉलोनी वोट और निवेश का केंद्र बनती है, लेकिन उसका जलग्रहण क्षेत्र किसी की प्राथमिकता नहीं।\ यह कैसी विकास-दृष्टि है जिसमें सड़क बनाना जरूरी है, लेकिन सड़क के नीचे पानी का रास्ता बनाना नहीं? कंक्रीट को विकास का पर्याय बना दिया गया है। जितना अधिक निर्माण, उतना अधिक विकास—यह खतरनाक मानसिकता अब शहरों को उनकी प्राकृतिक क्षमता से बाहर धकेल रही है। जमीन सांस नहीं ले सकती, पानी सोख नहीं सकती और नाले अतिरिक्त जल का भार नहीं उठा सकते। फिर प्रशासन कहता है—बारिश 'बहुत ज्यादा' हो गई। सच यह है कि बारिश शायद ज्यादा नहीं हुई; हमारी तैयारी बहुत कम थी। सबसे अधिक कीमत कौन चुकाता है? वह गरीब, जिसकी झुग्गी निचले इलाके में है। वह मजदूर, जिसकी रोज की मजदूरी ही परिवार की रसोई है। वह छोटा दुकानदार, जिसका सारा सामान पानी में नष्ट हो जाता है। वह किसान, जिसकी महीनों की मेहनत कुछ घंटों में डूब जाती है। वह बच्चा, जो स्कूल से लौटते समय उफनते नाले के किनारे चलता है। वह मरीज, जिसकी एंबुलेंस जलभराव में फंस जाती है। बाढ़ केवल पानी नहीं लाती; वह रोजगार छीनती है, भोजन छीनती है, शिक्षा रोकती है, बीमारी फैलाती है और गरीब को और गरीब बनाती है। इसलिए शहरी बाढ़ केवल पर्यावरण का प्रश्न नहीं है; यह सामाजिक न्याय का प्रश्न है। विडंबना देखिए—जिस शहर में हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट खड़े किए जाते हैं, वहां नागरिक को बारिश में सुरक्षित पैदल चलने की सुविधा तक नहीं मिलती। जिस देश में अत्याधुनिक तकनीक की चर्चा होती है, वहां कई इलाकों में लोगों को यह पता नहीं होता कि जलभराव के दौरान सुरक्षित रास्ता कौन सा है। जिस प्रशासन के पास मौसम की चेतावनी पहुंच जाती है, वहां कई बार उस चेतावनी को जमीनी कार्रवाई में बदलने की क्षमता या इच्छाशक्ति दिखाई नहीं देती। आपदा प्रबंधन का अर्थ यह नहीं कि बाढ़ आ जाने के बाद नावें उतार दी जाएं, राहत शिविर खोल दिए जाएं और नेताओं के दौरे शुरू हो जाएं। असली आपदा प्रबंधन वह है जो आपदा के प्रभाव को पहले ही न्यूनतम कर दे। बारिश रोकी नहीं जा सकती, लेकिन तबाही रोकी जा सकती है। तालाब बचाए जा सकते हैं। प्राकृतिक नाले पुनर्जीवित किए जा सकते हैं। बाढ़ क्षेत्रों में निर्माण रोका जा सकता है। वर्षाजल को जमीन में उतारा जा सकता है। नालों की क्षमता का वैज्ञानिक ऑडिट हो सकता है। हर वार्ड के जलभराव वाले क्षेत्रों का मानचित्र बनाया जा सकता है। मौसम चेतावनी को मोबाइल से लेकर स्थानीय प्रशासन तक प्रभावी बनाया जा सकता है। स्कूलों, अस्पतालों और संवेदनशील इलाकों के लिए आपातकालीन योजनाएं बनाई जा सकती हैं। लेकिन इसके लिए राजनीति को दिखावे से आगे और प्रशासन को कागज से बाहर निकलना होगा।

अजगरा महान संवाद-2026 डीएम ने दिए निर्देश, हर ग्राम पंचायत-वार्ड से होगा प्रतिभागी का चयन

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। अजगरा महान संवाद-2026 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रतियोगिता के सफल, पारदर्शी और निष्पक्ष आयोजन को लेकर जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने कैम्प कार्यालय सभागार में खंड विकास अधिकारियों, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को आयोजन की तैयारियां समय से पूरी करने और अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि 24 से 26 अगस्त तक ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर

पर प्रतियोगिताएं आयोजित कर प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं वार्ड से एक प्रतिभागी का चयन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इस तरह प्रथम चरण में जनपद के कुल 1,427 प्रतिभागियों को चिन्हित किया जाएगा। इसके बाद 29 एवं 30 अगस्त को 17 विकासखंडों और 19 नगरीय निकायों के स्तर पर प्रतियोगिताएं होंगी, जिनमें 36 विजेताओं का चयन किया जाएगा। 2 एवं 3 सितंबर को चार जोनल महासंवाद में 16 प्रतिभागी तथा 5 सितंबर को जिला स्तरीय महासंवाद में आठ प्रतिभागियों का चयन होगा। अंतिम आठ प्रतिभागियों को 6 से 16 सितंबर तक सार्वजनिक परिचय एवं तैयारी कराई जाएगी, जबकि 17 सितंबर को ग्रैंड फिनाले आयोजित होगा। डीएम ने स्पष्ट किया कि प्रतिभागियों का चयन केवल औपचारिकता के लिए न किया जाए। तार्किक क्षमता, ज्ञान, चिंतनशीलता और संवाद-कौशल को चयन का प्रमुख आधार बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि बेहतर तर्क और प्रभावी ढंग से अपने विचार रखने वाले प्रतिभागियों को आगे आने का पूरा अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर सुविधानुसार उपयुक्त संवाद स्थल का चयन कर कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रतियोगिता का निर्णायक मंडल पूरी तरह निष्पक्ष और संदेह से परे होना चाहिए। निर्णायकों के चयन में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही प्रत्येक कार्यक्रम में वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, जिससे प्रतिभागियों और कार्यक्रम की गतिविधियों का स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रिकॉर्ड उपलब्ध रहे। उन्होंने पूरे आयोजन का अनिवार्य रूप से डॉक्यूमेंटेशन कराने तथा कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों से फीडबैक फॉर्म भरवाने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि 'द ग्रेट अजगरा डिबेट' में प्रतिभाग करने के लिए न तो किसी शैक्षिक योग्यता की बाध्यता है और न ही आयु सीमा निर्धारित की गई है। समाज के सभी वर्गों के लोग निर्धारित प्रारूप पर आवेदन कर प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रतियोगिता से संबंधित निर्धारित प्रारूप एवं अन्य जानकारी के लिए इच्छुक लोग संबंधित विकासखंड कार्यालय, नगर पालिका अथवा नगर पंचायत कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

वाहिद नगर में महीनों से नहीं हुई नालियों की सफाई, बढ़ रहा बीमारी का खतरा

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। नजीबाबाद नगर की सफाई व्यवस्था की बदहाली का आलम यह है कि मोहल्ला वाहिद नगर, सम्राट टॉकीज के पास पिछले कई महीनों से नालियों की सफाई नहीं हुई है। नालियों में जमा गंदा पानी, सड़कों पर बिखरा कूड़ा-कचरा और उठती दुर्गंध ने स्थानीय निवासियों का जीना मुहाल कर दिया है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो चुकी है। सफाई कर्मचारी नियमित रूप से नहीं आ रहे हैं, जिसके कारण नालियां पूरी तरह चोक हो गई हैं। नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। गंदगी के कारण क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप अत्यधिक बढ़ गया है। लोगों में मलेरिया, डेंगू, टायफाइड जैसी घातक बीमारियों को लेकर

दहशत का माहौल है। बच्चों और बुजुर्गों में संक्रमण का खतरा सबसे ज्यादा बना हुआ है।

स्थानीय जनता का कहना है कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका और संबंधित विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण लोगों में भारी नाराजगी है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और नगर पालिका से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए मोहल्ला वाहिद नगर में तुरंत विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। चोक पड़ी नालियों को साफ कराया जाए और कूड़े का नियमित उठान सुनिश्चित किया जाए, ताकि बीमारियों के खतरे से बचा जा सके।

बारिश ने बिगाड़ा रसोई का बजट, सब्जियों के दाम 30 फीसदी तक बढ़े

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। लगातार हो रही बारिश का असर अब सब्जियों की कीमतों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। खेतों से मंडियों तक सब्जियों की आवक प्रभावित होने और रास्तों में जलभराव के कारण कई सब्जियों के दाम पिछले एक सप्ताह में करीब 30 फीसदी तक बढ़ गए हैं। प्याज, नींबू, फूलगोभी, परवल और पत्तागोभी समेत रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली कई सब्जियों के भाव बढ़ने से लोगों की रसोई का बजट बिगड़ने लगा है। बारिश के कारण खेतों में जलभराव और परिवहन प्रभावित होने से सब्जियों की आपूर्ति पर असर पड़ा है। मंडियों में पहले की तुलना में कम मात्रा में सब्जियां पहुंच रही हैं। आवक घटने से थोक बाजार में भाव बढ़े हैं, जिसका सीधा असर फुटकर बाजार में देखने को मिल रहा है। सब्जी खरीदने पहुंच रहे ग्राहकों को कई सब्जियों के लिए पहले की तुलना में अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है। सब्जी विक्रेता किशोर कुमार ने बताया कि लगातार बारिश के कारण खेतों से सब्जियों की आवक कम हो गई है। मंडी में माल कम पहुंचने के कारण थोक कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इसका असर फुटकर बाजार पर भी पड़ रहा है। यदि आने वाले दिनों में बारिश का दौर जारी रहा तो अन्य सब्जियों के दाम भी बढ़ सकते हैं। सब्जी खरीदने पहुंचे धर्मपाल सिंह और मनोज कुमार ने बताया कि रोजाना इस्तेमाल होने वाली सब्जियों के दाम बढ़ने से घर का मासिक खर्च बढ़ रहा है। पत्तागोभी के दाम में अचानक हुई बढ़ोतरी ने ग्राहकों को खास तौर पर परेशान किया है। वहीं नींबू और फूलगोभी के भाव बढ़ने से भी लोगों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है। ग्राहकों का कहना है कि बारिश के मौसम में पहले भी कई तरह की परेशानियां बढ़ जाती हैं।

बच्चों के विवाद में धारदार हथियार से हमला, झोपडी जलाई एक घायल

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। महेशगंज थाना क्षेत्र के सराय स्वामी, जगापुर गांव में बच्चों के आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में विवाद बढ़ गया। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर घर पर हमला करने, धारदार हथियार से मारपीट कर दो लोगों को घायल करने और बाद में छप्परनुमा झोपड़ी में आग लगाने का आरोप लगाया है। मामले में पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। गांव निवासी कुसहिन पत्नी पन्नेलाल ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि 13 अगस्त 2026 की शाम करीब साढ़े आठ बजे बच्चों के आपसी विवाद को लेकर वह गांव के कुछ लोगों के घर उलाहना देने गई थी। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर विपक्षी पक्ष के कई लोग लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर उसके घर पहुंच गए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता के अनुसार हमले में उसके पति और देवर

घायल हुए। आरोप है कि धारदार हथियार के प्रहार से देवर के सिर में गंभीर चोट आई तथा हाथ में फ्रैक्चर हो गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी पक्ष कथित रूप से जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चला गया। परिजनों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेशगंज पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय प्रतापगढ़ रेफर कर दिया। घायल का उपचार जिला अस्पताल में चलने की बात कही गई है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के कुछ देर बाद जब घर पर कोई मौजूद नहीं था, तभी उसकी छप्परनुमा झोपड़ी में आग लगा दी गई। ग्रामीणों और पुलिस कर्मियों की मदद से आग पर काबू पाया गया, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। पीड़िता ने स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वह शिकायत लेकर महेशगंज थाने पहुंची थी, लेकिन उसकी तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई और घायलों का मेडिकल परीक्षण भी नहीं कराया गया। इसके विपरीत, पीड़िता का आरोप है कि विपक्षी पक्ष की तहरीर पर उसके पक्ष के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया। मामले को लेकर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करने तथा घायलों का विधिवत मेडिकल परीक्षण कराने की मांग की है। पुलिस की ओर से मामले में क्या कार्रवाई की गई, इसकी जानकारी सामने आने के बाद ही स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

हापुड़ देहात साइबर सेल ने गूगल-पे धोखाधड़ी के पीड़ित के 33,500 रुपये कराए वापस

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार जनपद में साइबर अपराध की रोकथाम एवं साइबर ठगी के पीड़ितों की सहायता के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ देहात की साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई की।साइबर सेल की टीम ने गूगल-पे के माध्यम से धोखाधड़ी के शिकार हुए पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए कुल 33,500 रुपये की धनराशि शत-प्रतिशत वापस करा दी। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित ने हापुड़ पुलिस की त्वरित कार्रवाई और साइबर सेल की टीम का आभार व्यक्त किया।पुलिस ने लोगों से अपील की है कि साइबर ठगी से बचने के लिए किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंक खाते, ओटीपी, यूपीआई पिन अथवा अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें तथा साइबर अपराध होने पर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें।

गुलदार ने गौवंश को बनाया निवाला लोगों में दहशत का माहौल, पिंजरा लगवाने की मांग

आम जानवरों की तरह क्षेत्र में नजर आ रहे हैं गुलदार क्षेत्र वासियों का जीना हुआ दुश्वार

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर किरतपुर। ब्लॉक क्षेत्र के गांव आलमपुर से हैबतपुर मार्ग उमरी के पास नवनिर्मित टंकी प्रांगण में शुक्रवार की रात गुलदार ने एक आवारा अवस्था में घूम रहे हैं गौवंश को अपना निवाला बना लिया। सुबह होने पर जब पास के लोग पशुओं के लिए चारा लेने जा रहे थे तो उन्होंने टंकी प्रांगण में गोवंश का शव पड़ा देखा। यह बात सुनकर घटनास्थल पर काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई। यह बात सुनकर लोगों में दहशत व्याप्त हो गई।वहीं सूचना पर किसान नेता राहुल पंडित अपने कुछ साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। राहुल पंडित ने यह घटना लगभग सुबह 4 या 5 बजे होने का अनुमान लगाया। राहुल पंडित ने बताया कि उक्त घटना की

सूचना किरतपुर पुलिस और वन विभाग को दे दी गई है। वहीं लोगों ने संभावित स्थान पर पिंजरा लगवाने की मांग की मांग की है।क्षेत्र में आए दिन कभी जंगल में तो कभी गांव के पास तो कभी बाग बगीचों गुलदार देखे जाने की चर्चा आग तरह फैली हुई है। जिससे लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त है। जिसके चलते स्कूली बच्चे व ग्रामीण जंगल से पशुओं का चारा लेने टोलियां बनाकर जा रहे हैं।

नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु दीक्षारंभ/अभिनंदन समारोह का गरिमामय आयोजन

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

चांदपुर। गुलाब सिंह हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय चान्दपुर-स्याऊ में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं मार्गदर्शन हेतु दीक्षारंभ/अभिनंदन समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। समारोह में उपस्थित नवप्रवेशी विद्यार्थियों को महाविद्यालय की समृद्ध शैक्षणिक व पाठ्येतर परंपराओं से परिचित कराया गया।इस मौके पर बड़ी स्क्रीन के माध्यम से महाविद्यालय में आयोजित पूर्व की सांस्कृतिक गतिविधियों, खेलकूद प्रतियोगिताओं, एनएसएस एवं एनसीसी की अकादमिक उपलब्धियों की एक विशेष वीडियो प्रस्तुति (डॉक्यूमेंट्री) दिखाई गई, जिसे देखकर नवागंतुक छात्र उत्साहित नजर आए। कार्यक्रम में बीए तृतीय सेमेस्टर, बीए पंचम सेमेस्टर एवं एमए तृतीय सेमेस्टर के वरिष्ठ छात्र-छात्राओं ने भी प्रतिभाग

किया। वरिष्ठ छात्रा सफिया फात्मा, नाज़िया परवीन, अर्शी, अलीशा परवीन तथा माही आदि ने नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने नवप्रवेशी छात्रों को महाविद्यालय के अनुशासन, शिक्षकों के मार्गदर्शन, पुस्तकालय के सदुपयोग और पाठ्येतर गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की गतिविधियों में सक्रिय योगदान देने के लिए सफिया, कु0 नाजिया, अर्शी तथा छात्र कुलदीप को सम्मानित भी किया गया। महाविद्यालय के एकेडमिक डायरेक्टर तथा समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो अनिल कुमार वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि उच्च शिक्षा केवल उपाधि प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने की प्रक्रिया है। विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का उपयोग समाज कल्याण और राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ0 प्रदीप कुमार तालान ने अपने उद्बोधन में कहा कि वैश्वीकरण के इस युग में भाषा और संप्रेषण कौशल सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं। नियमित पठन-पाठन और भाषा पर पकड़ बनाकर विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। शारीरिक शिक्षा के विभागाध्यक्ष प्रो अशोक कुमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ खेलों और शारीरिक गतिविधियों में भाग लेना मानसिक संतुलन और नेतृत्व क्षमता को निखारता है साथ ही खेल अनुशासन, टीम भावना और विपरीत परिस्थितियों से लड़ना सिखाते हैं। कार्यक्रम के समापन सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर साधना ने नवागंतुक विद्यार्थियों का महाविद्यालय परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, समय प्रबंधन, नियमित उपस्थिति और पुस्तकालय के अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित किया। प्रोफेसर साधना ने कहा कि महाविद्यालय जीवन विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने का मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने और संस्थान की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का आह्वान किया। अंत में उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और वरिष्ठ एवं नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस मौके पर समस्त विभागों के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में वरिष्ठ एवं नवप्रवेशी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मंच का कुशल संचालन प्रो अनिल कुमार वर्मा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

गंगा उफान पर, खादर क्षेत्र में बढ़ा बाढ़ का खतरा, पुलिया डूबने से ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की बढ़ी मुश्किलें

गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से महज 51 सेंटीमीटर नीचे, कुदैनी की मढ़ैया, कठपूला और चकलठीरा की पुलिया जलमग्न, मेला मार्ग तक पहुंचा पानी

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी से गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के खादर में बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार को गंगा का जलस्तर 198.82 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान 199.33 मीटर से महज 51 सेंटीमीटर नीचे है। जलस्तर बढ़ने के कारण खादर क्षेत्र के कई संपर्क मार्गों और पुलियाओं पर पानी पहुंच गया है।इससे ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों की भी मुश्किलें बढ़ गई हैं। गंगा का पानी बढ़ने से कुदैनी की मढ़ैया, कठपूला और चकलठीरा की पुलिया जलमग्न हो गई हैं। इन रास्तों से रोजाना आने-जाने वाले ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।पुलियाओं पर पानी भर जाने के कारण आवागमन प्रभावित हुआ है। वहीं कई स्थानों पर

ग्रामीणों को पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। गंगा का पानी अब मेला मार्ग तक पहुंच गया है, जिससे आसपास के इलाकों में भी जलभराव का खतरा बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि गंगा के जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो खादर क्षेत्र के अन्य गांवों और संपर्क मार्गों पर भी पानी पहुंच सकता है।इससे ग्रामीणों के सामने आवागमन के साथ-साथ दैनिक जरूरतों को पूरा करने की समस्या खड़ी हो सकती है। पुलियाओं और संपर्क मार्गों पर पानी भरने का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है।बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए जलभराव वाले रास्तों से गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से जलमग्न रास्तों पर निगरानी और सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था करने की मांग की है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार गंगा का जलस्तर 198.82 मीटर दर्ज किया गया है। खतरे का निशान 199.33 मीटर है, जबकि 199.99 मीटर जलस्तर पहुंचने पर बाढ़ की स्थिति मानी जाती है। फिलहाल जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है, लेकिन लगातार बढ़ोतरी के कारण प्रशासन और खादर क्षेत्र के ग्रामीणों की चिंता बढ़ती जा रही है। प्रशासन की ओर से गंगा के जलस्तर और खादर क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों को भी जलस्तर बढ़ने की स्थिति में सावधानी बरतने और जलभराव वाले रास्तों पर अनावश्यक आवागमन से बचने की सलाह दी जा रही है।

पैठ बंद होने से भड़की सपा, धरना देकर प्रशासन से गरीब दुकानदारों के लिए वैकल्पिक स्थान तय करने की मांग

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। रविवार को लगने वाली साप्ताहिक पैठ बंद होने के विरोध में समाजवादी पार्टी ने धरना प्रदर्शन कर छोटे दुकानदारों और मेहनतकश परिवारों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। सपा नेताओं ने कहा कि पैठ बंद होने से सैकड़ों परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि जल्द से जल्द उपयुक्त वैकल्पिक स्थान चिन्हित कर साप्ताहिक पैठ को दोबारा शुरू कराया जाए।सपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट आनंद गुर्जर (बबलू प्रधान) के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि हापुड़ नगर में रविवार को लगने वाली साप्ताहिक पैठ वर्षों पुरानी है। पूर्व में अतरपुरा चौपला से कोठी गेट और गोल मार्केट तक पैठ लगती थी। बाद में इसका स्थान बदलकर रामलीला मैदान कर दिया गया। रामलीला मैदान में विवाद उत्पन्न

होने के बाद से पैठ बंद है।सपा नेताओं ने कहा कि साप्ताहिक पैठ में बड़ी संख्या में छोटे दुकानदार घरेलू उपयोग और रोजमर्रा की जरूरत का सामान बेचते हैं। इनमें कई ऐसे परिवार हैं, जिनकी आय का महत्वपूर्ण जरिया सप्ताह में एक दिन लगने वाली पैठ है। पैठ बंद होने से इन दुकानदारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रशासन को विवादित स्थान पर पैठ शुरू कराने के बजाय नगर में कोई अन्य उपयुक्त स्थान चिन्हित करना चाहिए। ऐसा स्थान तय किया जाए, जहां यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो और आमजन को भी किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। व्यवस्थित तरीके से पैठ लगने से छोटे दुकानदारों को रोजगार का अवसर मिलेगा, वहीं आम लोगों को भी कम कीमत पर आवश्यक सामान उपलब्ध हो सकेगा।सपा पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मांग की कि मामले में शीघ्र निर्णय लेते हुए रविवार की साप्ताहिक पैठ के लिए स्थायी अथवा उपयुक्त वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा सीधे तौर पर गरीब और मेहनतकश परिवारों की आजीविका से जुड़ा है और इसके समाधान के लिए पार्टी लगातार आवाज उठाती रहेगी।

संत समाज का मार्गदर्शन धर्म, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देता है: पुष्कर सिंह धामी

सतगुरु लाल दास महाराज के 51वें निर्वाण दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री धामी, धार्मिक स्थलों के विकास और देवभूमि की संस्कृति के संरक्षण पर दिया जोर

वेलकम इंडिया संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सप्तसरोवर रोड, भूपतवाला स्थित श्री ब्रह्म निवास आश्रम में पूज्य सतगुरु लाल दास महाराज के 51वें निर्वाण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सतगुरु लाल दास महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पूज्य सतगुरु लाल दास महाराज ने अपने जीवन में आध्यात्मिकता को प्राथमिकता देते हुए समाज को सेवा, सत्य और भक्ति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भक्ति और सेवा का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। उनकी वाणी में अद्भुत शक्ति और समाज को जोड़ने की भावना थी। उन्होंने जीवनभर यह संदेश दिया कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत समाज का सानिध्य और सतगुरु की कृपा प्राप्त होना सौभाग्य की बात है। देश के संतों ने सदैव धर्म, संस्कृति और राष्ट्र की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संतों के मार्गदर्शन से समाज को धर्म और संस्कृति के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। भारत की महान संस्कृति हमें कठिन परिस्थितियों में भी अच्छे समाज के निर्माण और विकास के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सनातन धार्मिक संस्कृति के पुनर्जागरण का स्वर्णिम काल चल रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर, काशी में कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के साथ उत्तराखंड के धार्मिक स्थलों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 की आपदा में क्षतिग्रस्त केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और प्रेरणा से किया गया। मंदिर माला मिशन के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न मंदिरों के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। रोपवे बनने से दुर्गम तीर्थस्थलों तक पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आसान होगा। विशेष रूप से बुजुर्ग और असहाय श्रद्धालुओं को इससे बड़ी सुविधा मिलेगी। इसके अलावा हरिद्वार में गंगा कॉरिडोर, ऋषिकेश कॉरिडोर, आस्था पथ तथा शारदा और यमुना तटों के विकास की योजनाओं पर भी कार्य आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की देवभूमि का मूल स्वरूप, पवित्रता और सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। सरकार का प्रयास है कि देश-दुनिया से उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और आध्यात्मिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। देवभूमि की संस्कृति और सामाजिक वातावरण को प्रभावित करने वाली गतिविधियों तथा अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि देहरादून में हिंदू अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई है, जहां धर्म और संस्कृति के साथ ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन, शोध और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा केदार की धरती से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। इसी लक्ष्य के अनुरूप धर्म, विकास, नवाचार और ज्ञान के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर एवं देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में सतगुरु चेतनानंद भूरी वाले ने बताया कि संस्था पिछले 57 वर्षों से निरंतर अखंड भोजन सेवा चला रही है।

उत्तराखंड एनईपी कॉन्क्लेव- 2026 में उत्तराखंड की उच्च शिक्षा के भविष्य पर मंथन किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आईआईटी रुड़की में उत्तराखंड एनईपी कॉन्क्लेव- 2026 आयोजित किया गया। जिसमें कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रतिभाग किया। एनईपी एक्शन प्वाइंट्स टू इंस्टीट्यूशनल एक्शन : यूके हायर एजूकेशन रोड़मैप 2026-28 थीम पर आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला में नई शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, गुणवत्ता, शोध, नवाचार, उद्योगझ शिक्षा सहयोग तथा संस्थागत सुदृढ़ीकरण पर व्यापक मंथन हुआ। कार्यशाला में उत्तराखंड की उच्च शिक्षा को भविष्य के दृष्टिगत रोजगारोन्मुख एवं तकनीक-सक्षम बनाने के लिये सभी विश्वविद्यालयों को नवाचार, बहुविषयक शिक्षा और संस्थागत विकास पर फोकस करने को कहा। ताकि प्रदेश के युवाओं को बेहतर शिक्षा के उपलब्ध हो सके।

संगठन सृजन अभियान में कांग्रेस ने बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने का लिया संकल्प

कांग्रेस नेता ने कहा, जनसमस्याओं को लेकर गांव-गांव पहुंचे कार्यकर्ता, जरूरत पड़ी तो आंदोलन करेगी पार्टी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। खलीलाबाद शहर के एक होटल में शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से संगठन सृजन अभियान के तहत विधानसभा खलीलाबाद में बूथ सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर केशर कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय ने की, जबकि संचालन जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय ने किया। जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद नजीर और शांति देवी समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केशर कुमार ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कांग्रेस की नीतियों और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश के विकास में महत्वपूर्ण संस्थाओं और तकनीकी ढांचे की स्थापना में योगदान दिया। उन्होंने राजीव गांधी के कार्यकाल में तकनीकी और संचार क्षेत्र में हुए विकास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कार्यकताओं से जनसमस्याओं को लेकर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में बाढ़ से फसल क्षति हुई है और प्रभावित लोगों को मुआवजा या राहत नहीं मिली है, वहां कांग्रेस कार्यकताओं की टीमें पहुंचकर समस्याओं को दर्ज करें। इसके बाद खंड विकास अधिकारी और जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर समस्याओं के समाधान के लिए समयसीमा तय की जाए। निर्धारित समय में समाधान न होने पर ब्लॉक और जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाए। केशर कुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी गंगा-जमुनी तहजीब और संविधान की भावना के अनुरूप सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। उन्होंने संत कबीर की शिक्षाओं और दर्शन को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए संत कबीर के नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने की मांग का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने क्षेत्र की बंद पड़ी मिल को फिर से चालू कराने तथा बुनकरों के लिए विशेष पैकेज की मांग उठाने की बात कही। बुनकरों को बिजली, ऋण, कच्चे माल और अन्य सुविधाओं में सहायता देने की जरूरत पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद पाण्डेय ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी समय में जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष करने का आह्वान किया। सम्मेलन में अरुण पांडेय, सैयद तारिक हुसैन, जमाल अहमद, अशोक आर्य, जय प्रकाश पाण्डेय, दयाशंकर चौधरी, मोइन अंसारी, नीलम चतुर्वेदी, रमेश चौधरी, अजय सिंह, फैजान खान, चंद्रमणि त्रिपाठी, परवेज अख्तर, राजीव गोंड, सतीश साहनी, पप्पू चौबे, सुग्रीव पासवान, जमुना प्रसाद, निसार अहमद, अयाजुल हक, हीरालाल, शिवदास मौर्य, प्रदुम्न कुमार, रमेश पाण्डेय, रियाज प्रधान, मो. अकरम, देवेंद्र कुमार, उदय राज चौधरी, व्यासमुनि, पिंटू सिंह, दुर्गेश सिंह, बिट्टू सिंह, राजन लाला, अब्दुल कलाम, चंद्रभान चौधरी, अभय चौधरी, शम्स आलम, सीमू खान, इबरार अहमद, सोशल मीडिया विभाग के जिलाध्यक्ष मुहम्मद परवेज अख्तर, पूर्व पीसीसी अरशद जलाल कुरैशी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय बंदी प्रथम में स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम का हुआ समापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। विकास खंड बलदेव के प्राथमिक विद्यालय बंदी प्रथम में स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों एवं उनके अभिभावकों के साथ आकलन प्रपत्र साझा किए गए तथा बच्चों की गतिविधियों एवं प्रगति के संबंध में जानकारी दी गई। स्कूल रेडिनेस कार्यक्रम के दौरान सर्वश्रेष्ठ गतिविधि प्रस्तुत करने वाली कक्षा-1 की छात्रा को विजेता घोषित किया गया। विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुधा वर्मा द्वारा एवं शिक्षिका श्रुति पांडेय द्वारा विजेता छात्रा को पुरस्कार प्रदान कर उसका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर बच्चों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इंचार्ज प्रधानाध्यापिका सुधा वर्मा एवं श्रुति पांडेय ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसी गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी बच्चों को निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अधिकारियों को मौके पर जाकर कार्रवाई करने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने संयुक्त रूप से थाना कोतवाली खलीलाबाद पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। डीएम और एसपी ने विभिन्न मामलों से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यकतानुसार मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति की जांच की जाए। उन्होंने कहा कि जनसामान्य की शिकायतों का नियमानुसार शत-प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को बार-बार अधिकारियों के चक्कर न लगाने पड़ें। डीएम और एसपी ने कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग से संबंधित मामलों में दोनों विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई करें। किसी भी शिकायत के निस्तारण में लापरवाही अथवा अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विवादित मामलों में मौके का निरीक्षण कर तथ्यों की जांच करने के बाद ही नियमानुसार कार्रवाई की जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने थाना समाधान दिवस की शिकायत पंजिका का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पूर्व में दर्ज शिकायतों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली तथा निस्तारित मामलों में संबंधित फरियादियों से फीडबैक लेने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि थाना समाधान दिवस का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। इसलिए पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध तरीके से कार्रवाई करें। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पांडेय, प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश दूबे सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी

दुधारा पुलिस ने नाबालिग को बहला फुसलाकर ले जाने व दुष्कर्म करने के मामले में वाँछित को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत महिलाओं पर अपराधों के रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में थाना दुधारा उ0नि0 शोभनाथ प्रसाद, का0 राधेश्याम गिरी ने मु0अ0सं0 350/2026 धारा 87, 137(2), 65(1) बीएनएस व धारा ¾(2) पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त विकास पुत्र हनुमान निवासी उपधी थाना दुधारा जनपद संतकबीरनगर को शनिवार को करमाखान पुलिया के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। विदित हो कि वादिनी द्वारा उक्त अभियुक्त के विरुद्ध वादिनी की नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र देकर अभियोग पजीकृत करवाया गया था।

ताइक्वांडो के प्रतिभागियों को बेल्ट और योग्यता प्रमाण- पत्र वितरित किए गए

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

नूरपुर। आर आर पब्लिक स्कूल में ताइक्वांडो के खिलाड़ियों के लिए बेल्ट प्रमोशन टेस्ट आयोजित किया गया था जिसमें सफल प्रतिभागियों को नए बेल्ट और योग्यता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी खेल कला और आत्मरक्षा कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। ताइक्वांडो के कोच जीवन सिंह ने बताया कि सृष्टि प्रधान , धैर्य राजपूत , हरगुन कौर, जानवी चौधरी, चेरी त्यागी, भव्या सिंह, दीप कुमार, शिवांगी यादव, समर्थ कुमार शर्मा, नायरा शरीफ, देवांश सिसोदिया, अनमोल कुमार, युवराज चौधरी, मनमीत कौर, परिधि सिंह, दृष्टि ठाकुर, परी, कर्तव्य प्रताप सिंह, आराध्या चौहान ने यलो बेल्ट, रिहान कौशिक, काव्या यादव, अनन्या यादव, आयुष चौधरी, प्रभजोत सिंह, अभिराज, कनिष्का सैनी, ज्ञान अरोड़ा, आदि शर्मा , हर्षित कुमार, पांचाल कंठालिया, प्रणय कौशिक, भाव सिंह, अरनिका वालिया ग्रीन बेल्ट खुशी चौहान, अनन्या शर्मा ग्रीन वन बेल्ट आरुषि वर्मा, स्पर्श सिंह, मानवी दिवाकर, दक्ष कुमार, शिखा अग्रवाल, आयुषी कुमारी, सरबजीत सिंह, परमजीत कौर ने ब्लू बेल्ट का प्रमाण पत्र प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की। प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता ने प्रमाण पत्र वितरित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य बच्चों में अनुशासन आत्मविश्वास और खेल भावना को बढ़ावा देना है। इस मौका पर उप प्रधानाचार्य टीकम सिंह , संजीव

जय गुरुदेव मंदिर के समीप हाइवे पर सफाई करने जा रहे सफाई कर्मी को ट्रैक्टर ने रौंदा, मौके पर मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। शनिवार की सुबह करीब 8:30 बजे हाईवे पर सफाई करने जा रहे नगर निगम के सफाई कर्मी ओमप्रकाश की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा थाना हाईवे क्षेत्र में जयगुरुदेव मंदिर के पास हुआ। बताया गया कि सफाई कर्मी हाईवे पर सफाई कार्य के लिए जा रहा था, तभी एक ट्रैक्टर ने उसे रौंद दिया। हादसे में ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेने का प्रयास किया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं साथी सफाई कर्मियों में भी आक्रोश फैल गया। सफाई कर्मी और परिजन मौके पर नगर निगम के अधिकारियों को बुलाने की मांग करते हुए शव पुलिस को ले जाने से रोकने पर अड़ गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बारावफात त्यौहार के दृष्टिगत थाना कोतवाली खलीलाबाद पर पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली खलीलाबाद परिसर में बारावफात त्यौहार को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे सहित पुलिस अधिकारी/कर्मचारी, संभ्रांत नागरिक, ग्राम प्रधान, धर्मगुरु एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे । बैठक के दौरान बारावफात त्यौहार को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने, त्यौहार के दौरान निकलने वाले जुलूस/कार्यक्रमों के मार्ग, समय एवं व्यवस्थाओं, सभी आयोजकों से निर्धारित नियमों एवं प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेशों का पालन करने, डीजे, ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं ध्वनि की तीव्रता को निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने, जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए रूट एवं ट्रैफिक प्रबंधन पर चर्चा की गई । सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न देने तथा किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी देने एवं पुलिस एवं आमजन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने तथा किसी भी समस्या का संवाद के माध्यम से तत्काल समाधान करने पर जोर दिया गया । उपस्थित लोगों से अपील की गई कि त्यौहार केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का अवसर भी है। शांति व्यवस्था बनाए रखना केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। पुलिस प्रशासन हर परिस्थिति में आमजन के साथ खड़ा है।

खेसरहा में हुई पुलिस मुठभेड़ के बाद एक आरोपी गिरफ्तार, दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। गोवंश वध के आरोपियों से पुलिस की मुठभेड़ हुई है। खेसरहा पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि, उसके दो साथी मौके से फरार होने में सफल रहे।

यह घटना खेसरहा थाना क्षेत्र के देवरी गांव के उत्तर स्थित एक बगीचे में हुई। पुलिस को शुक्रवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोग वहां गोवंश का वध कर रहे हैं। सूचना पर थानाध्यक्ष अनूप मिश्रा और एसओजी प्रभारी चंद्रकांत पाण्डेय के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की।पुलिस टीम को देखते ही आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में फिरोज अहमद पुत्र गोली, निवासी देवरी टोला टेढ़िया, थाना खेसरहा के बाएं पैर में गोली लगी। पुलिस ने घायल आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर सीएचसी खेसरहा में उपचार कराया।

पूछताछ के दौरान फरार हुए आरोपियों की पहचान इरशाद पुत्र रमजान निवासी देवरी टोला टेढ़िया और नान्हू पुत्र मोल्हू निवासी मदाइन, थाना दुधारा, संतकबीरनगर के रूप में हुई है।पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से 315 बोर का अवैध देशी तमंचा, एक खोखा, एक जिंदा कारतूस, दो बांका/गड़ासा, तीन चाकू, तराजू-बांट, रस्सी, लकड़ी का उपकरण और एक मोबाइल फोन सहित अन्य सामान बरामद करने का दावा किया है।इस मामले में थाना खेसरहा में मुकदमा अपराध संख्या 118/2026 के तहत बीएनएस, शस्त्र अधिनियम और गोवध अधिनियम की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी फिरोज अहमद के खिलाफ पूर्व में भी आयुध अधिनियम और आबकारी अधिनियम के तहत चार मामले दर्ज हैं। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय भेजा जा रहा है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष अनूप मिश्रा, एसओजी प्रभारी चंद्रकांत पाण्डेय सहित एसओजी और खेसरहा पुलिस की टीम शामिल रही। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने बताया कि खेसरहा पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम की गोवध के आरोपी से मुठभेड़ हुई। कार्रवाई में एक आरोपी गिरफ्तार हुआ है और उसके कब्जे से अवैध तमंचा, खोखा व जिंदा कारतूस समेत बांका/गड़ासा, चाकू और अन्य सामान बरामद हुआ है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

जन्माष्टमी, बारावफात और रक्षाबंधन को लेकर त्रिलोकपुर थाने में पीस कमेटी की बैठक

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। आगामी जन्माष्टमी, बारावफात और रक्षाबंधन त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए शनिवार को त्रिलोकपुर थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्राम प्रधानों, संभ्रांत नागरिकों, जुलूस आयोजकों, धर्मगुरुओं, मौलवियों और ग्राम प्रहरियों ने भाग लिया। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने शासन एवं उच्चाधिकारियों की ओर से जारी दिशा-निर्देशों से सभी को अवगत कराया। प्रभारी निरीक्षक ने लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए शांतिपूर्वक त्योहार मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या अथवा संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। बैठक में क्षेत्र की शांति व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई और मौजूद लोगों की समस्याएं सुनकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने सभी से पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

डीएम ने सीएचसी और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने शनिवार को उसका बाजार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। सीएचसी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, स्त्री रोग ओपीडी, पैथोलॉजी कक्ष और दवा वितरण कक्ष का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल में उपचार के लिए आए मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। डीएम ने अस्पताल परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया।उन्होंने उपस्थिति पंजिका देखी, जिसमें सभी शिक्षक उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने विभिन्न कक्षाओं में जाकर शैक्षणिक व्यवस्था का जायजा लिया।इसके बाद रसोईघर का निरीक्षण कर छात्राओं के लिए तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता देखी, जो संतोषजनक मिली।उन्होंने विद्यालय परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

समाजवादी टिकट की दौड़ में राजकुमार राजू का नाम चर्चा में, जनसंपर्क तेज

जनता का विश्वास मेरी सबसे बड़ी ताकत, अधिकारों के लिए लड़ता रहूंगा: राजकुमार राजू

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र 129 में आगामी चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होने लगी हैं। समाजवादी पार्टी से संभावित प्रत्याशियों के बीच क्षेत्र में जनसंपर्क और जनसंवाद का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। इसी क्रम में क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान समाजवादी पार्टी से जुड़े नेता राजकुमार राजू ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों से आत्मीय मुलाकात की और उनकी समस्याओं को करीब से जाना। राजनीतिक गलियारों में राजकुमार राजू को विधानसभा 129 पूरनपुर से समाजवादी पार्टी का टिकट मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।क्षेत्र भ्रमण के दौरान राजकुमार राजू ने ग्रामीणों, युवाओं, किसानों, व्यापारियों और बुजुर्गों से संवाद करते हुए स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली। लोगों ने सड़क, जलभराव, बिजली, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य जनहित से जुड़े मुद्दे

उनके सामने रखे। राजकुमार राजू ने लोगों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा।उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहना, जनता की बात सुनना और उनकी उम्मीदों को आवाज देना ही समाजवादी सेवा है। उन्होंने कहा कि पूरनपुर की जनता से उनका रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि परिवार जैसा है। जनता का विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत है और क्षेत्रवासियों की आवाज को मजबूती से उठाना उनका संकल्प है। राजकुमार राजू ने कहा कि पूरनपुर की मिट्टी से उनका गहरा जुड़ाव है। क्षेत्र के लोगों के सम्मान, अधिकार और विकास के लिए वह हमेशा मजबूती से खड़े रहेंगे।

उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए केवल पद प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और क्षेत्र की सेवा का अवसर है।जनसंपर्क के दौरान राजकुमार राजू का लोगों से सहज अंदाज में मिलना और उनकी समस्याओं को ध्यान से सुनना चर्चा का विषय बना रहा। समर्थकों का कहना है कि राजकुमार राजू लंबे समय से क्षेत्र के लोगों के बीच सक्रिय हैं और लगातार गांव-गांव पहुंचकर जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं। उनकी सरलता, मिलनसार व्यवहार और जमीन से जुड़े रहने की शैली उन्हें आम लोगों के बीच अलग पहचान दिला रही है।वहीं, समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं और समर्थकों के बीच राजकुमार राजू के नाम को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। समर्थकों को उम्मीद है कि पार्टी नेतृत्व विधानसभा 129 पूरनपुर से उन्हें प्रत्याशी बनाकर जनता के बीच मजबूत विकल्प के रूप में उतार सकता है। टिकट को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व द्वारा किया जाना है, लेकिन क्षेत्र में राजकुमार राजू की सक्रियता ने राजनीतिक चचाओं को जरूर तेज कर दिया है।राजकुमार राजू ने कहा कि वह किसी भी परिस्थिति में जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं और अधिकारों के लिए आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पूरनपुर का विकास, युवाओं का भविष्य और किसानों व आमजन के सम्मान की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ी जाएगी।

रचनात्मकता के रंगों से सजी राखी प्रतियोगिता

वेलकम इंडिया पीलीभीत

अमरिया/पीलीभीत। अमरिया क्षेत्र के गुरु तेग बहादुर एजुकेशनल सोसायटी के अंतर्गत संचालित इंटर कॉलेज, मॉन्टेसरी एवं प्लैटिनम स्कूल में भाई-बहन के पवित्र प्रेम एवं स्नेह के प्रतीक रक्षाबंधन के अवसर पर राखी मेकिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, उमंग और रचनात्मकता के साथ भाग लिया तथा अपनी कला एवं कल्पनाशीलता से मनमोहक राखियाँ तैयार कीं। इस आयोजन ने विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के महत्व को भी उजागर किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन सीसीएच भवानी शंकर, अरीशा जिया एवं फि जा मलिक के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किया गया। कार्यक्रम प्रधानाचार्य मनप्रीत सिंह संधू के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।इस आयोजन को हरपाल सिंह, श्रीमती रुपिंदर कौर एवं समस्त अध्यापकगण के सहयोग से सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया।जहाँ कला में भावनाएँ जुड़ती हैं, वहीं परंपराएँ और भी खूबसूरत बन जाती हैं। विद्यालय परिवार सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं उत्साह की सराहना करता है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

थाना समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने सुनीं शिकायतें, मौके पर निस्तारण के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। शासन के निर्देश पर प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के तहत शनिवार को उसका बाजार थाने में कार्यक्रम हुआ। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं।

जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षकों को भूमि विवाद, वरासत और बंटवारे से संबंधित मामलों का मौके पर जाकर निष्पक्ष तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। नाली, चकमार्ग, जमीन के बंटवारे, अवैध कब्जे और पट्टे से जुड़े मामलों में राजस्व निरीक्षक व लेखपाल शिकायतकर्ता की मौजूदगी में मौके पर जाकर कार्रवाई सुनिश्चित करें। आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल की मदद ली जाए।

डीएम ने अधिकारियों से अधिक से अधिक मामलों का त्वरित निस्तारण करने और किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखने को कहा। उन्होंने फरियादियों से आपसी सौहार्द बनाए रखने और विवाद की स्थिति में कानून हाथ में न लेने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शिकायतों का नियमानुसार मौके पर निस्तारण कराया जाएगा। कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर में नवनिर्मित भोजनालय का उद्घाटन किया। इस दौरान थानाध्यक्ष उसका बाजार, राजस्व निरीक्षक समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

अपंजीकृत कीटनाशक युक्त अगरबत्तियों की बिक्री पर रोक, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। जिले के सभी कीटनाशक विक्रेताओं, वितरकों, संबंधित प्रतिष्ठानों और आम लोगों को कृषि विभाग ने अपंजीकृत कीटनाशक युक्त अगरबत्तियों से सावधान किया है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी रवि शंकर पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश में ऐसी अगरबत्तियों का निर्माण और बिक्री की जा रही है, जिनमें अपंजीकृत कीटनाशक डाईनेफ्लूथ्रिन एवं मेपरफ्लूथ्रिन का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ये उत्पाद स्वीटनाइट, डायनासोर, श्री डेंगू किलर, कम्फर्ट, ब्लैक डॉट ड्रैगन, छूमंतर, सुकून, दिव्यास ब्रह्मास्त्र, परम पावर, श्रीहरि विष्णु रिलेक्स, पंडित ब्लैक आउट, प्रीमियम क्वालिटी ब्लैक ड्रैगन और श्रीजी रिलेक्स नाम से बेचे, भंडारित, वितरित अथवा उपयोग किए जा रहे हैं। ऐसे उत्पादों का उपयोग कीटनाशी अधिनियम 1968 का उल्लंघन है। कृषि विभाग ने सभी विक्रेताओं और प्रतिष्ठानों को निर्देश दिया है कि ऐसे उत्पादों का किसी भी दशा में विक्रय या भंडारण न करें। जांच के दौरान उत्पाद मिलने पर संबंधित व्यक्ति या प्रतिष्ठान के खिलाफ कीटनाशी अधिनियम 1968 और कीटनाशी संशोधन नियम 1971 के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने किसानों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपंजीकृत कीटनाशक उत्पादों की खरीद और उपयोग न करें। केवल पंजीकृत एवं अधिकृत कीटनाशकों का ही प्रयोग करें।

ईद मिलादुन्नबी की तैयारियां तेज, बाजारों में बढ़ी रौनक

वेलकम इंडिया संवाददाता

गोरा/पीलीभीत। ईद मिलादुन्नबी का पर्व नजदीक आते ही पीलीभीत जिले के ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में तैयारियां तेज हो गई हैं। सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र के गोरा, रायपुर, धनेगा, केसरपुर, बासूपुर समेत आसपास के गांवों में पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। गांवों की गलियों और घरों पर रंग-बिरंगी झालरों, आकर्षक लाइटों और इस्लामी झंडों से सजावट की जा रही है।पर्व को लेकर लोग अपने घरों की साफ-सफाई के साथ सजावट में जुट गए हैं। कई परिवारों ने घरों की छतों, दरवाजों और प्रतिष्ठानों पर इस्लामी झंडे लगाने शुरू कर दिए हैं। बच्चे भी पर्व को लेकर उत्साहित हैं और परिवार के सदस्यों के साथ घरों को सजाने में हाथ बंटा रहे हैं। शाम होते ही कई गांवों में रंग-बिरंगी रोशनी से गलियां जगमगाने लगी हैं।ईद मिलादुन्नबी को लेकर बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। दुकानों पर रंग-बिरंगी झालरें, बिजली की लाइटें, इस्लामी झंडे और विभिन्न प्रकार के सजावटी सामान उपलब्ध हैं। ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों से लोग बड़ी संख्या में खरीदारी के लिए बाजार पहुंच रहे हैं। सजावटी सामान की मांग बढ़ने से दुकानदारों में भी उत्साह है।दुकानदारों के अनुसार इस बार ग्राहक सजावट के लिए विभिन्न प्रकार की झालरों और स्वदेशी सामान को प्राथमिकता दे रहे हैं। बाजार में आकर्षक डिजाइन वाली झालरें और बिजली की लाइटें लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। पर्व को देखते हुए दुकानदारों ने भी पर्याप्त मात्रा में सजावटी सामग्री मंगाकर रखी है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं घरों की साफ-सफाई और सजावट में जुटी हैं। कई परिवारों में पर्व की तैयारियां पहले से ही शुरू कर दी गई हैं। पूरनपुर समेत आसपास के बाजारों में सजावटी सामान की दुकानों पर भीड़ दिखाई दे रही है।मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है कि ईद मिलादुन्नबी का पर्व आपसी भाईचारे, मोहब्बत और सौहार्द का संदेश देता है। इसी भावना के साथ लोग पूरे उत्साह और श्रद्धा से पर्व की तैयारियों में जुटे हैं। गांवों और बाजारों का माहौल अभी से त्योहार की रौनक में डूबा नजर आ रहा है।

मौसमी नेताओं ने चुनाव के बाद नहीं ली क्षेत्र की सुध : संतराम विश्वकर्मा

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पूरनपुर,पीलीभीत। शनिवार को ओबीसी महासभा के प्रदेश सचिव एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि संतराम विश्वकर्मा ने क्षेत्र के रम्पुरा ताल्लुके महाराजपुर, कपूरपुर, कल्याणपुर और घाटमपुर समेत कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं को लेकर चर्चा की।संतराम विश्वकर्मा ने कहा कि चुनाव आते ही धरातल पर उतरने वाले 'मौसमी' नेताओं ने कभी क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं की सुध नहीं ली। उन्होंने कहा कि पीलीभीत की जनता उन लोगों को याद रखती है, जिन्होंने मुश्किल समय में भी जनता के बीच रहकर उनकी मदद की। उन्होंने कहा, मेनका गांधी और वरुण गांधी ने इस माटी को चुनावी अखाड़ा नहीं, बल्कि अपना परिवार मानकर सींचा है। कोरोना काल की भयावह स्थिति में जब तमाम नेता अपने घरों तक सीमित थे, तब उन्होंने जरूरतमंद परिवारों तक राशन और दवाइयां पहुंचाने के लिए प्रयास किया। संतराम विश्वकर्मा ने कहा कि क्षेत्र में पक्की सड़कों का विस्तार, गांवों में बिजली पहुंचाना और गरीब परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि वीआईपी संस्कृति से दूर रहकर जनता के बीच बैठने वाले जनप्रतिनिधियों के योगदान को पीलीभीत की जनता हमेशा याद रखेगी। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने ग्रामीणों से क्षेत्र की समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों पर भी जानकारी ली।

बरखेड़ा में गूंजा जनहित का मुद्दा, धनपति वर्मा ने गांवों में किया ताबड़तोड़ जनसंपर्क

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। शनिवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र 128 के विभिन्न गांवों का व्यापक भ्रमण कर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने गांव-गांव पहुंचकर लोगों से मुलाकात की और क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया।धनपति वर्मा एडवोकेट ने खरौंसा, फूलहर बड़ी, फूलहर छोटी, औरिया, जमकपुरी, मैद नाबड़ा, मैदना छोटा, पौट खुर्द, अनवरगंज, बनकटी, मेवातपुर, टाह, कुकरा, पीराताल तथा हिम्मतनगर उर्फ चिरैदापुर सहित विभिन्न गांवों का भ्रमण किया। गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनसे क्षेत्र की समस्याओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने लोगों की बातों को गंभीरता से सुना और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने का भरोसा दिलाया।इस दौरान धनपति वर्मा ने कहा कि क्षेत्र की जनता से निरंतर संवाद करना और उनकी समस्याओं को समझना उनकी प्राथमिकता है। गांव-गांव पहुंचकर लोगों से मिलना, उनकी परेशानियों को सुनना तथा उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास करना ही सच्ची जनसेवा है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहकर ही क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं की जानकारी मिलती है और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा किसानों, नौजवानों, मजदूरों, महिलाओं और आम जनता के हितों की आवाज मजबूती से उठाती रही है। आज महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास से जुड़े कई मुद्दे जनता के सामने हैं। इन मुद्दों को लेकर पार्टी कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच जाकर संवाद कर रहे हैं। धनपति वर्मा ने कहा कि आने वाले समय में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्र की जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भी आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद करें और उनकी समस्याओं को संगठन तक पहुंचाएं।जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों और पार्टी कार्यकर्ताओं में भी उत्साह दिखाई दिया। धनपति वर्मा ने कहा कि जनता का विश्वास और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है तथा वे क्षेत्र के लोगों की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए निरंतर सक्रिय रहेंगे।

मुख्यमंत्री पोर्टल की शिकायत पर हरकत में आया पीडब्ल्यूडी, सरकारी जमीन की जांच शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। विकास खंड भनवापुर की ग्रामसभा बस्ती बरगदवा में ग्राम प्रधान इंतजार अहमद पर नहर और सड़क की सरकारी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगा है। मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर किए जाने के बाद शनिवार को लोक निर्माण विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। गांव निवासी मोहम्मद आरिफ ने आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान ने सरकारी भूमि पर निजी उपयोग के लिए पांच कमरों का मकान बनवा लिया है। इसके अलावा पंचायत भवन और राशन भवन भी इसी भूमि पर बनाए जाने का आरोप है। शिकायत के बाद पीडब्ल्यूडी के जेई राजेंद्र कुमार और अरुण कुमार ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

इस दौरान शिकायतकर्ता समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने जमीन की पैमाइश कराकर नहर और सड़क की भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग की। जेई राजेंद्र कुमार ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर जांच की गई है। रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दी गई है। आगे की कार्रवाई नियमानुसार होगी।

गंगा नदी का जलस्तर बढ़ा, कटान वाले क्षेत्रों का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। विगत दिनों हुई बारिश और बिजनौर बैराज से गंगा नदी में पानी छोड़े जाने के चलते जनपद में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी के कुछ क्षेत्रों में कटान की सूचना मिलने के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। शनिवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने स्याना तहसील के सिद्धबाबा घाट और अनूपशहर तहसील के अवंतिका देवी घाट समेत आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। स्याना के सिद्धबाबा घाट के पास करीब 150 मीटर कटान पाया गया, जिससे कुछ क्षेत्र में पानी पहुंचा है। यहां मुख्य रूप से गन्ने की फसल प्रभावित क्षेत्र में है, जबकि आबादी क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित है। अधिकारियों के अनुसार अभी तक कटान के कारण किसी प्रकार की फसल क्षति की सूचना नहीं है। सिद्धबाबा घाट पर अस्थायी पुलिस चौकी भी स्थापित की गई है। उपजिलाधिकारी स्याना लालजी विश्वकर्मा ने बताया कि राजस्व, सिंचाई, पुलिस और विकास विभाग की टीमें जलस्तर एवं कटान पर लगातार नजर रख रही हैं। तहसील क्षेत्र में सात बाढ़ चौकियां और सात राहत शिविर क्रियाशील हैं। घाटों और नदी के आसपास पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए लोगों को नदी के पास नहीं जाने की चेतावनी दी जा रही है। संबंधित अधिकारियों की 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है। वहीं, अनूपशहर तहसील के अवंतिका देवी घाट और आसपास के क्षेत्रों में भी निरीक्षण किया गया। एसडीएम अरुण कुमार वर्मा ने बताया कि अभी तक किसी प्रकार की जनहानि, पशुहानि, मकान क्षति या फसल क्षति नहीं हुई है। बबस्टरगंज घाट के जहानवी द्वार आरती स्थल और मस्तराम घाट पर सीढ़ियों तक पानी पहुंचा है, लेकिन बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। गंगा किनारे स्थित रूढ़, शेरपुर, अकबरपुर उर्फ बच्चीखेड़ा, आजमपुर उर्फ तौरई, सिरौरा तथा अहार क्षेत्र के हसनपुर, मुबारिकपुर/अवंतिका देवी और अहार के जंगलों में आंशिक रूप से पानी पहुंचा है।

उप मुख्यमंत्री से अहमदगढ़ को नगर पंचायत बनाने की भाजपा नेता डीके शर्मा ने उठाई मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। अहमदगढ़ ग्राम पंचायत को नगर पंचायत का दर्जा दिलाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। शनिवार को भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष डीके शर्मा ने जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि रूबी मीणा के साथ लखनऊ पहुंचकर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उप मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपकर अहमदगढ़ को नगर पंचायत का दर्जा देने की मांग की।

शिकारपुर तहसील के पहासू ब्लॉक क्षेत्र में स्थित अहमदगढ़ गांव की आबादी करीब 20 हजार है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिक आबादी होने के बावजूद ग्राम पंचायत को मिलने वाली सीमित निधि के कारण साफ-सफाई, नाली, खड़ंजा, सड़क समेत अन्य विकास कार्य अपेक्षित गति से नहीं हो पा रहे हैं। इसके अलावा ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का भी पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। डीके शर्मा ने उप मुख्यमंत्री को सौंपे पत्र में बताया कि अहमदगढ़ को नगर पंचायत बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। ग्राम पंचायत को नगर पंचायत में शामिल करने के संबंध में जिलाधिकारी की रिपोर्ट शासन को भेजी जा चुकी है। वहीं शिकारपुर विधायक अनिल शर्मा भी अहमदगढ़ को नगर पंचायत का दर्जा दिलाने के लिए शासन को पत्र भेज चुके हैं। डीके शर्मा ने कहा कि अहमदगढ़ को नगर पंचायत का दर्जा मिलने से क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलेगी। इससे साफ-सफाई, नाली, सड़क, प्रकाश व्यवस्था समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं में सुधार होगा और लोगों को सरकारी योजनाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा। उन्होंने उप मुख्यमंत्री से मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए अहमदगढ़ को नगर पंचायत का दर्जा दिलाने की मांग की।

कस्तूरबा विद्यालय का निरीक्षण, व्यवस्थाएं संतोषजनक

वेलकम इंडिया संवाददाता

खुर्जा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, बुलन्दशहर ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, अरनिया के ग्राम दशहरा खरेली स्थित परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय की शैक्षणिक, भौतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं, छात्राओं की सुरक्षा, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य मधु सिंह उपस्थित रहीं। शिक्षक पंजिका के अनुसार विद्यालय में सात शिक्षक कार्यरत मिले और सभी उपस्थित पाए गए। वहीं 100 पंजीकृत छात्राओं के सापेक्ष 87 छात्राएं उपस्थित मिलीं। छात्राओं की यूनिफार्म, जूते, बैग एवं पुस्तकों का भी सत्यापन किया गया। विद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग/रिकॉर्डिंग डिवाइस तथा वाटर कूलर की मरम्मत कराने के निर्देश दिए।

महिला भूमिहार समाज का द्वितीय स्थापना दिवस समारोह भव्यता के साथ संपन्न

संदीप तिवारी/वेलकम इंडिया

वाराणसी मिजार्मुराद। महिला भूमिहार समाज का द्वितीय स्थापना दिवस होटल मेरिडियन में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। समारोह में समाज की महिलाओं की सहभागिता, एकजुटता, सामाजिक चेतना और सशक्तीकरण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।कार्यक्रम का शुभारंभ बटुकों द्वारा शंखनाद एवं वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि संजय राय जी एवं विशिष्ट अतिथि गण के कर कमलों से दीप प्रज्वलन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संजय राय जी,विशिष्ट अतिथि डॉ.डी.एन.शर्मा जी, श्री जगदीश राय जी,डा संगीता राय विभागाध्यक्ष स्त्री रोग विशेषज्ञ बी.एच.यू, डा आंकाक्षा राय जी, श्री.अनंजय राय जी,श्री. आर.एन.सिंह जी,चंदन राय जी कवि तथा समाज के गणमान्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों का स्वागत महिला भूमिहार समाज की अध्यक्ष डॉक्टर राजलक्ष्मी राय जी द्वारा किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि महिला भूमिहार समाज का उद्देश्य केवल सामाजिक एकजुटता तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाते हुए समाज के विकास में उनकी निर्णायक भूमिका सुनिश्चित करना है। महिलाओं की प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक दायित्वों को मंच प्रदान करना संस्था की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम के दौरान महिला भूमिहार समाज की आधिकारिक वेबसाइट का शानदार शुभारंभ किया गया।इस अवसर पर महिला भूमिहार समाज की सामाजिक सेवा/शिक्षा/महिला सशक्तीकरण/जरूरतमंदों की सहायता के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को रेखांकित किया गया । साथ हीसामाजिक कार्यों, चिकित्सकीय, शिक्षा, साहित्य एवं पत्रकारिता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पुरुष एवं महिलाओं को सम्मान में दुपट्टा एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में महिला भूमिहार समाज द्वारा समाजहित से जुड़े विभिन्न कार्यों तथा भविष्य में जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, सामाजिक सेवा और निर्बल परिवारों के सहयोग के लिए सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया गया।

महिला भूमिहार समाज की स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा को संघर्ष, साथ और समर्पण की यात्रा बताते हुए कहा गया कि सामूहिक प्रयासों से संस्था निरंतर अपने उद्देश्यों की ओर आगे बढ़ रही है। 'संघे शक्ति बलियसी' की भावना को आत्मसात करते हुए समाज की महिलाओं को एकजुट होकर सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का वाहक बनने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में शकुन्तला राय जी,पूनम सिंह ,डॉक्टर मंजुला चौधरी,किरन सिंह ,चंद्रकला राय, डॉक्टर विजयता राय,बंदना सिंह,प्रतिमा सिंह,सोनी राय ,पूनम सिंह,सरिता राय, बबिता राय, किरन राय,सुमन सिंह,सरोज सिंह,कुसुम सिंह,सरिता सिंह,ऋतु राय, प्राची राय, बीना सिंह,पुष्पा राय,सीमा राय,रश्मि सिंह,अनीता राय,खुशबू राय आदि सदस्य उपस्थित रहे। समारोह के अंत में डॉक्टर राजलक्ष्मी राय जी ने सभी अतिथियों, महिला भूमिहार समाज की सदस्यों ,सहयोगियों, आयोजन समिति एवं सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

जीएईएचपी उत्तर प्रदेश चैप्टर के चेयरमैन निर्वाचित होने पर डी.एन. सिंह का सम्मान

होटल वर्टेक्स पहड़िया के जनरल मैनेजर राजीव सिंह ने किया स्वागत, पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र में योगदान की सराहना

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। ग्लोबल एसोसिएशन ऑफ इवेंट्स एंड हॉस्पिटेलिटी प्रोफेशनल्स (जीएईएचपी) के उत्तर प्रदेश चैप्टर के चेयरमैन पद पर वाराणसी के वरिष्ठ पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी प्रोफेशनल डी.एन. सिंह के निर्वाचित होने पर होटल वर्टेक्स पहड़िया में स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। होटल के जनरल मैनेजर राजीव सिंह ने डी.एन. सिंह को सम्मानित करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। समारोह में वाराणसी के पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र से जुड़े व्यवसायियों और पेशेवरों ने डी.एन. सिंह का स्वागत किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्था के उत्तर प्रदेश चैप्टर की जिम्मेदारी वाराणसी के वरिष्ठ पर्यटन प्रोफेशनल को मिलना पूरे शहर के लिए गौरव की बात है। डी.एन. सिंह वर्तमान में ट्रैवल क्लब के महाप्रबंधक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव, कुशल नेतृत्व, व्यावसायिक दृष्टिकोण और पर्यटन उद्योग के विकास में योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना क्षेत्र के लिए उपलब्धि माना जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि डी.एन. सिंह के नेतृत्व में जीएईएचपी का उत्तर प्रदेश चैप्टर प्रदेश में इवेंट्स एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इससे उत्तर प्रदेश के पर्यटन व्यवसाय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूती मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से वाराणसी जैसे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन एवं आध्यात्मिक शहर को उनके अनुभव और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का लाभ मिलने की संभावना है। होटल वर्टेक्स पहड़िया के बैंकेट हॉल में आयोजित समारोह में राजीव सिंह ने कहा कि डी.एन. सिंह का जीएईएचपी उत्तर प्रदेश चैप्टर के चेयरमैन पद पर निर्वाचित होना वाराणसी के पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा तथा प्रदेश के पर्यटन उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी कार्य किए जाएंगे। डी.एन. सिंह ने सम्मान और शुभकामनाओं के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह का संचालन डॉ. अजय सिंह ने किया। इस अवसर पर सुशील सिंह, शांतनु सिंह, मुकुल दुबे, राजीव सिंह, अश्वनी सिंह, कुबेर भारद्वाज, गजेंद्र चौबे, सुधांशु सक्सेना, सुशील तिवारी, अवनीश कांत पाठक, अविषेक पाठक, परमानंद सिंह, मनीष सिंह, कुणाल सिंह सोलंकी, अनूप कुमार, बृजेश सिंह सहित पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र से जुड़े अनेक लोग मौजूद रहे।

सनबीम स्कूल अन्नपूर्णा में शास्त्रीय एवं भक्ति संगीत से मंत्रमुग्ध हुए विद्यार्थी

स्पीकमैके कार्यक्रम में पद्मश्री सुमित्रा गुहा ने दी मनमोहक प्रस्तुति

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। स्पीकमैके के तत्वावधान में सनबीम स्कूल अन्नपूर्णा के प्रांगण में भारतीय शास्त्रीय एवं भक्ति संगीत पर आधारित विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। किराना घराने की प्रसिद्ध गायिका पद्मश्री सुमित्रा गुहा की सुमधुर प्रस्तुति ने विद्यालय परिसर को सुरों से सराबोर कर दिया। विद्यार्थियों ने शास्त्रीय और भक्ति संगीत की मनमोहक प्रस्तुति का आनंद लिया और कलाकारों की कला से भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा को करीब से समझा। स्पीकमैके का उद्देश्य भारतीय शास्त्रीय संगीत, नृत्य, लोककला और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। इसी उद्देश्य के तहत सनबीम स्कूल अन्नपूर्णा में समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और कला की विविध विधाओं से परिचित कराया जा सके। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के विद्यार्थियों ने पद्मश्री सुमित्रा गुहा, सुमन चटर्जी, सुमित मिश्रा और सुश्री रेनू का माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मान किया। इसके बाद पद्मश्री सुमित्रा गुहा ने अपने गायन से विद्यार्थियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सुमन चटर्जी ने तबले, सुमित मिश्रा ने हारमोनियम तथा सुश्री रेनू ने तानपुरे पर संगत की। कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदुस्तानी शास्त्रीय एवं भक्ति संगीत की खूबसूरत झलक दिखाई। सुमित्रा गुहा ने अपनी प्रस्तुति के दौरान शास्त्रीय संगीत की बारीकियों और गायन की विभिन्न शैलियों से भी विद्यार्थियों को परिचित कराया। उनकी सुरमयी प्रस्तुति के दौरान पूरा विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। विद्यार्थियों में भी भारतीय शास्त्रीय संगीत को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान मिहिका, अव्यांश, आराध्या, जान्या और आद्या सहित कई विद्यार्थियों ने कलाकारों से संगीत से जुड़े विभिन्न सवाल पूछकर अपनी जिज्ञासा व्यक्त की। विद्यार्थियों ने गायन की विभिन्न विधाओं, शास्त्रीय संगीत की शैली, वाद्ययंत्रों और संगीत साधना से संबंधित सवाल किए।

हरियाली तीज पर सजा काशी का मंच, सर्व कल्याण ब्राह्मण महिला संगठन ने मनाया स्थापना दिवस

कजरी, गीत, नृत्य और मनोरंजक खेलों ने बांधा समां, भारतीय संस्कृति और नारी शक्ति की दिखी सुंदर झलक

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सर्व कल्याण ब्राह्मण महिला संगठन काशी की ओर से संगठन के स्थापना दिवस एवं हरियाली तीज के पावन अवसर पर महमूरगंज स्थित एक होटल में भव्य और रंगारंग समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन की महिला सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कजरी, गीत, नृत्य, मनोरंजक खेल और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने पूरे आयोजन को उल्लास और उमंग से भर दिया। तीज के पारंपरिक रंग में सजी महिलाओं ने भारतीय संस्कृति, परंपरा और नारी शक्ति की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रुचि मिश्रा, सहायक आचार्य, धीरेंद्र महिला महाविद्यालय वाराणसी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने सभी को हरियाली तीज और संगठन के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ आपसी प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। समारोह की अध्यक्षता संगठन की संस्थापिका एवं अध्यक्ष डॉ. सरिता त्रिपाठी ने की।

उन्होंने संगठन की स्थापना के उद्देश्यों और अब तक किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा, सांस्कृतिक संरक्षण और समाज में सकारात्मक वातावरण निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय नारी की आस्था, प्रेम, सौंदर्य, संस्कार और पारिवारिक मूल्यों से जुड़ी समृद्ध परंपरा है। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर नम्रता मिश्रा ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत मांडवी और शांभवी द्वारा प्रस्तुत मनमोहक गणेश वंदना से हुई। इसके बाद महिलाओं ने कजरी, गीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। पारंपरिक गीतों और कजरी की मधुर धुनों ने कार्यक्रम में काशी की लोक संस्कृति के रंग भर दिए। समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न मनोरंजक खेलों और गतिविधियों में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं के बीच उत्साह और उमंग देखते ही बन रही थी। हंसी-खुशी और उल्लास के बीच सभी ने एक-दूसरे को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं। आयोजन में डॉ. ममता टंडन, अंजली मिश्रा, मधु तिवारी, रचना वाजपेयी, अर्चना त्रिपाठी, मंजू पांडे, शशि मिश्रा, रेखा मिश्रा, ज्योत्सना मिश्रा, नम्रता मिश्रा, चिंता ओझा, शशि तिवारी, सोनम, पिंकी, संध्या, शशिकला, गोदावरी, रितु, ममता पाठक, प्रीति, सुषमा, करुणा, सविता, सुमन, गुड़िया, डॉ. मालविका, जमुना शुक्ला, मंजू तिवारी, वंदना, उमा दीक्षित, डॉ. माधवी पांडे, वीणा अग्निहोत्री, राम तिवारी, रागिनी सहित संगठन की बड़ी संख्या में सदस्य एवं महिलाएं मौजूद रहीं। रजनी शर्मा ने अतिथियों और कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह के अंत में संगठन की पदाधिकारियों ने कहा कि भविष्य में भी भारतीय संस्कृति, महिला सम्मान, सामाजिक सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन किया जाएगा।

1.120 किलो गांजा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

स्याना। अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत स्याना पुलिस ने शनिवार को एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1 किलो 120 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने हनीफ गढ़ी पुलिया के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान इकरार पुत्र इस्माइल निवासी ग्राम बेट, थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। मामले में थाना स्याना पर मुकदमा संख्या 336/26, धारा 8/20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ हापुड़ जनपद के विभिन्न थानों में गोवध निवारण अधिनियम, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट, पशु क्रूरता अधिनियम, एंटी पावर थेफ्ट और हत्या के प्रयास समेत कई मामले दर्ज हैं। आरोपी का आपराधिक इतिहास पुलिस के अनुसार पुराना और लंबा है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक रामनारायण सिंह, उपनिरीक्षक मनीष यादव, उपनिरीक्षक दर्शन सिंह, कांस्टेबल राजवीर सिंह और कांस्टेबल अमित कुमार शामिल रहे।

लेखपाल संघ उप शाखा तहसील मोदीनगर द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। प्रदेश के लेखपालों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संगठन / एंटी करप्शन एवं विजिलेंस द्वारा की जा रही गलत, अनुचित, फर्जी एवं दुर्भावनापूर्ण ढंग से ट्रैप कार्रवाई पर रोक लगाने के की मांग को लेकर प्रदेश लेखपाल संघ उप शाखा तहसील मोदीनगर ने एक दिन का सांकेतिक धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन एसडीएम कोमल पंवार को एक ज्ञापन सौंपा।

प्रदेश लेखपाल संघ उपशाखा तहसील मोदीनगर के अध्यक्ष अमित कुमार एवं सचिव मोहित कुमार ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि लेखपाल राजस्व विभाग का मेहनती, ईमानदार एवं जनता से सीधे जुड़ा हुआ अग्रिम पंक्ति का कर्मचारी है, जो बेहद कठिन परिवेश में गांव-गांव घूमकर शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ भूमि संबंधी विवादों, पैमाइश, अतिक्रमण एवं अन्य राजस्व कार्यों का दायित्व पूरी निष्ठा से निभाता है। ऐसे कठिन एवं चुनौतीपूर्ण कार्य के बावजूद लेखपाल अपने कर्तव्यों का निरंतर निर्वहन करता है। भूमि विवाद, पैमाइश, अतिक्रमण हटाने अधया किसी व्यक्ति के अवैध कार्य को नियमों के विपरीत न किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति अथवा दलाल द्वारा लेखपाल से रंजिश रखना असामान्य नहीं है। कई बार असंतुष्ट व्यक्ति अपने निजी स्वार्थ अथवा दुर्भावनाग्रस्त होकर लेखपाल को झूठे मामले में फंसाने का प्रयास करते हैं। वर्तमान में भ्रष्टाचार निवारण संगठन / एंटी करप्शन एवं विजिलेंस टीम द्वारा कई मामलों में शिकायत की वास्तविकता, शिकायतकर्ता की पृष्ठभूमि, उसकी रंजिश एवं शिकायत के उद्देश्य तथा संबंधित कार्य में लेखपाल की वास्तविक भूमिका एवं अधिकार क्षेत्र का पर्याप्त परीक्षण किए बिना ट्रैप कार्रवाई किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में पूर्व में भी ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं और हाल ही में दिनांक 20 अगस्त 2026 को जनपद अयोध्या की तहसील सोहावल में लेखपाल उत्कर्ष दीप के साथ हुई घटना ने पूरे लेखपाल संवर्ग को अत्यंत आहत एवं आक्रोशित किया है।

छात्र-छात्राओं की शानदार प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। जी.डी. गोयंका पब्लिक स्कूल, मेरठ में कक्षा 3 से 5 तक के छात्र-छात्राओं के लिए 'पिनोकियो इन एलिस एंड वंडर लैंड' विषय पर आधारित विभिन्न गतिविधियों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनीत अग्रवाल शारदा, विद्यालय के चेयरमैन डॉ. बृजभूषण, निदेशक संदीप गोयल, संजय गोयल, सचिन गोयल तथा प्रधानाचार्या स्वीटा ओझा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने गीत, नृत्य, नाटिका सहित विभिन्न प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों और अभिभावकों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों पर अतिथियों एवं अभिभावकों ने तालियों के साथ

उनका उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम की जमकर सराहना की। प्रधानाचार्या स्वीटा ओझा ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, वाचन कौशल, समूह भावना और अनुशासन जैसे गुणों का विकास करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संत रविदास की कलश यात्रा का श्रद्धा के साथ किया स्वागत, श्रद्धांजलि अर्पित की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पंचायत निवाड़ी में संत शिरोमणि रविदास महाराज जी की कलश यात्रा/ का श्रद्धा के साथ स्वागत किया और संत रविदास जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संत रविदास जी बताएं मार्ग आदर्श पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विधायक डॉक्टर मंजू शिवाच , नगर पंचायत निवाड़ी के अध्यक्ष अनिल त्यागी, भाजपा जिला अध्यक्ष चैन पाल सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण त्यागी, जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र चौधरी, जिला उपाध्यक्ष अमित चौधरी, कार्यक्रम को संयोजक अमित तिसावर, डा देवराज शर्मा, प्रवीण गोस्वामी एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकताओं के साथ-साथ हमारे सम्मानित सभासद विकास त्यागी व जगदीश कस्बे के सभी सम्मानित मातृशक्ति व व्यक्तियों शामिल हुए।

कांग्रेस कार्यकर्ता आज से ही 2027 के चुनाव की तैयारी में जुटे: डॉ अशोक तंवर

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सनातन शिव मंदिर निकट बस स्टैंड के सभागार में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोविंदपुरी और मोदीनगर के तत्वाधान में कांग्रेस संगठन सर्जन सभा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा डॉक्टर अशोक तंवर ने कांग्रेस कार्यकताओं से मिलकर संगठन के विषय में विचार विमर्श किया। और कहा कि संगठन में जो कमियां है उनको दूर कर आज से ही 2027 के चुनाव की तैयारी में जी जान से जुट जाए। पूरे देश में संगठन सर्जन अभियान अंतिम चरण में चल रहा है। ऊजावान और संघर्षील कार्यकताओं को पार्टी संगठन में उचित अवसर प्रदान करेगी पूर्व पदाधिकारी को भी संगठन में जगह दी जाएगी क्षेत्र के लोगों की सलाह पर ही पार्टी जिला और शहर अध्यक्षों की

नियुक्ति करेगी और आने वाले विधानसभा चुनाव में जो व्यक्ति जनता में अपनी साख रखता होगा लोगों से विचार विमर्श करके ही विधानसभा के लिए उम्मीदवार तय करेगी। पीसीसी सदस्य उत्तर प्रदेश सुनील शर्मा ने जिला अध्यक्ष पद के लिए आवेदन देकर दावेदारी पेश की सभा में आए सभी लोगों ने हाथ उठाकर के ध्वनिमत से सुनील शर्मा की गाजियाबाद जिला अध्यक्ष के पद पर दावेदारी का समर्थन किया। कार्यक्रम के आयोजक चांद वीर चौधरी ने भी शहर अध्यक्ष मोदीनगर पद के लिए आवेदन देते हुए कहा कि कलयुग में संगठन में ही शक्ति है। जिस पार्टी का संगठन मजबूत होता है। इस पार्टी की विजय होती है। इसलिए संगठन को मजबूत करना जरूरी है कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शहर अध्यक्ष बृजेश कुमार सेन ने भी अपना आवेदन शहर अध्यक्ष पद के लिए देते हुए कहा कि मैं प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिए गए कार्यक्रम और जन समस्याओं को मेहनत और लगन से उठाने का कार्य किया है, आगे भी पार्टी जो जिम्मेदारी देगी उसको तन मन धन से निभाने का कार्य किया जाएगा। मोदीनगर शहर अध्यक्ष पद के लिए कल्पना सिंह, संदीप त्यागी ,राकेश सोनी ने भी पूर्व सांसद व प्रदेश अध्यक्ष हरियाणा अशोक तंवर को आवेदन देकर अपनी दावेदारी शहर अध्यक्ष पद पर की।इस अवसर सभा में मुख्य रूप से बबीता चौधरी, ममता, रजनी शर्मा, रानी, कौशल जाटव, शब्बो, महावीर भडाना, ओमकार प्रधान जी फजलगढ़, हरिदत्त कसाना, मनीष शर्मा सैदपुर, जाकिर सैदपुर, सरफराज, विशाल कौशिक, अनस सैफी, आरिफ रिजवी, सचिन शर्मा, रियासत खान, अमजद इंद्रेसी, जहूर अहमद, रामकिशन शर्मा, चौधरी जगपाल सिंह, महेंद्र त्यागी, नीरज प्रजापति, आशीष शर्मा, नंदकिशोर शर्मा, सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

घर से लाखों रुपये की नकदी व सोने के आभूषण चोरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। गोविंदपुरी पुलिस चौकी क्षेत्र के वैशाली एनक्लेव में शुक्रवार की देर रात चोरों ने एक घर से लाखों रुपये की नकदी और सोने के आभूषण चोरी कर लिए। चोर मकान में घुसकर वारदात को अंजाम देने के बाद फरार हो गया। चोरी की यह पूरी वारदात सामने के मकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य मकान के ऊपरी कमरे में सो रहे थे। पीडित परिजनों के मुताबिक रात करीब डेढ बजे एक चोर गली में घूमता हुआ मकान के पास पहुंचा। उसने आईजीएल गैस पाइपलाइन का सहारा लेकर दीवार पर चढ़कर ऊपरी हिस्से से घर में प्रवेश किया और चोरी को अंजाम दिया। परिजनों ने बताया कि चोर घर से करीब एक लाख रुपये की नकदी और सोने के आभूषण ले गया। चोरी हुए सामान की कुल कीमत लगभग 10 से 12 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी अपने साथ घर में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी ले गया। हालांकि, सामने के मकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में आरोपी की गतिविधियां कैद हो गईं। फुटेज में चोर पहले गली में घूमता और फिर आईजीएल पाइपलाइन के सहारे दीवार पर चढ़कर मकान में दाखिल होता दिखाई दे रहा है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोर की तलाश की जा रही है और जल्द कार्रवाई की जाएगी।

ट्रिनिटी स्कूल में मेहंदी एवं राखी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ट्रिनिटी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, अबूपुर, मुरादनगर में आज विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा एवं कलात्मक कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मेहंदी प्रतियोगिता एवं राखी प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय की चेयरपर्सन श्रीमती मीनाक्षी रोहिल्ला को विद्यालय के डायरेक्टर आलोक शर्मा जी के द्वारा बुके देकर उनका भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय में आयोजित राखी प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। वहीं कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी सुंदर एवं आकर्षक रचनाओं के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का परिचय दिया।

इस अवसर पर निशा संगी ने विद्यालय में विशेष रूप से अपनी सुंदर राखियों की स्टॉल भी लगाई। स्टॉल

पर विभिन्न प्रकार की आकर्षक एवं मनमोहक राखियाँ प्रदर्शित की गईं, जिन्हें देखकर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। उनकी इस पहल ने कार्यक्रम की सुंदरता में चार चाँद लगा दिए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किए गए। विजेता विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिनकी सूची इस प्रकार है। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान क्लास 12th की खुशी खान ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान क्लास 11th की वैष्णवी और यशिका ने प्राप्त किया। तथा तृतीय स्थान 10th क्लास एवं 9th क्लास की सोनाली और समीक्षा ने प्राप्त किया। इसी प्रकार राखी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान 5th क्लास की अदिति ने प्राप्त किया ,द्वितीय स्थान अभिनव और 8th क्लास के निहाल ने प्राप्त किया, और तृतीय स्थान 9th क्लास के अर्णव ने प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं खुशी देखने को मिली। उप-प्राचार्या श्रीमती सिखा गोयल एवं विद्यालय की समस्त अध्यापिकाओं ने प्रतियोगिताओं को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। विद्यालय का उद्देश्य सदैव विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं छिपी प्रतिभाओं को निखारना रहा है।

इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़ने का सुंदर अवसर प्रदान करती हैं।

फ्हअ फेडरेशन के विस्तार पर बनी रणनीति, बढ़े हाउस टैक्स के खिलाफ चलेगा अभियान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। फ्हअ फेडरेशन गाजियाबाद की नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक शनिवार को गुलमोहर एनक्लेव सोसाइटी के कम्युनिटी हॉल में आयोजित हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, विभिन्न आरडब्ल्यूए व सामाजिक संगठनों को जोड़ने तथा जोनवार रिक्त पदों को भरने की रणनीति बनाई गई।

बढ़े हुए हाउस टैक्स के मुद्दे पर व्यापक अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। चेयरमैन आर.के. गर्ग ने कहा कि फेडरेशन का लक्ष्य गाजियाबाद की हर आरडब्ल्यूए और निवासी की आवाज बनना है। प्रत्येक जोन को सक्रिय कर स्थानीय समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

बैठक में आरटीआई गतिविधियों को फेडरेशन से जोड़ने पर सहमति बनी। एडवोकेट आकाश वशिष्ठ को महासचिव और एडवोकेट मुकेश गुप्ता को सचिव मनोनीत किया गया। आर.डी. गोयल को कविनगर जोन का वाइस चेयरमैन तथा संतोष शर्मा को वसुंधरा जोन का सचिव बनाया गया। पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

82 पेड़ लगाकर रोटरी क्लब ने शुरू किया हरियाली का महाअभियान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पर्यावरण संरक्षण और शहर को हरा-भरा बनाने के संकल्प के साथ रोटरी क्लब ऑफ गाजियाबाद विकास ने शनिवार को वृक्षारोपण अभियान की शुरूआत की। हाईटेक इंजीनियरिंग कॉलेज, वेदांता फार्म हाउस के निकट आयोजित कार्यक्रम में कॉलेज परिसर के पूल साइड क्षेत्र में 82 सजावटी एवं फलदार वृक्ष लगाए गए। इसके साथ ही क्लब की ओर से कॉलेज परिसर के बाहर एक हजार वृक्ष लगाने के महाअभियान का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि लगाए गए वृक्षों को केवल रोपित करने तक सीमित न रखते हुए उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी कॉलेज के निदेशक एवं क्लब सदस्य रो. आनन्द प्रकाश ने अपने स्तर पर लेने का संकल्प लिया। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा,

जब लगाए गए पौधों को पेड़ बनने तक सुरक्षित रखा जाए। रोटरी क्लब अध्यक्ष रो. कैलाश मंगला एवं रो. कल्पना मंगला ने अतिथियों और क्लब सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज केवल सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल पर भी ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने लोगों से हरियाली बढ़ाने के लिए ऐसे अभियानों से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन संस्था के निदेशक रो. आनन्द प्रकाश और दया गर्ग ने किया। इस दौरान क्लब सचिव रो. नरेश जिंदल, रो. संजय अग्रवाल, रो. कुलदीप कोहली, रो. अनिल गर्ग, रो. सहदेव भारद्वाज, रो. विनीत माहेश्वरी, रो. आलोक गर्ग, रो. संजय गर्ग, रो. मनीषा गर्ग और रो. बबिता गर्ग सहित अनेक रोटेरियनों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया। क्लब पदाधिकारियों ने बताया कि एक हजार वृक्ष लगाने के इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में हरित क्षेत्र को बढ़ाना और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

पैसों के विवाद में तहेरे-चचेरे भाइयों में भिड़ंत, घर की गैलरी में फायरिंग का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र के सादिकपुर उर्फ काजीपुरा गांव में पैसों के लेन-देन को लेकर तहेरे-चचेरे भाइयों के बीच विवाद के बाद मारपीट और फायरिंग का मामला सामने आया है। पीड़ित युवक की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

काजीपुरा निवासी अंकुश चौधरी पुत्र जसवीर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 अगस्त की शाम करीब 6:45 बजे वह ड्यूटी से घर लौट रहा था। इसी दौरान पंचायत घर के पास उसके ताऊ के बेटे वंश चौधरी और अनमोल उर्फ सूचा ने उसे रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने पैसों के लेन-देन को लेकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। अंकुश के मुताबिक वह किसी तरह वहां से बचकर अपने घर पहुंचा। कुछ देर बाद घर में मौजूद होने के दौरान उसे गोली चलने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर वह बाहर आया और अपने पिता जसवीर सिंह से घटना के बारे में पूछा। आरोप है कि पिता ने बताया कि वंश चौधरी घर की गैलरी में गोली चलाकर वहां से भाग गया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि वंश की मां नीतू ने खुद अपने सिर में चोट मार ली और परिवार के लोगों को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हुए वहां से चली गईं। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से मामले में कार्रवाई की मांग की। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि अंकुश चौधरी की शिकायत के आधार पर वंश चौधरी और अनमोल उर्फ सूचा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

किरायेदार ही निकला चोर, 85 ग्राम सोना और 1.1 किलो चांदी बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। डीसीपी सिटी धवल जयसवाल के नेतृत्व में कविनगर थाना पुलिस ने चोरी की बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी विशाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 85 ग्राम सोने के आभूषण, 1.1 किलो चांदी के आभूषण और 65,870 रुपये नकद बरामद किए हैं। वारदात का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

गोविंदपुरम निवासी लल्लू सिंह मौर्य ने 27 जुलाई को घर का ताला तोड़कर जेवर और नकदी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने 22 अगस्त को गोविंदपुरम बस अड्डे के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पीड़ित के मकान में किरायेदार था और घर में रखे जेवर व नकदी की पूरी जानकारी रखता था। ऑनलाइन एवियेटर गेम खेलने के दौरान करीब नौ लाख रुपये के कर्ज में डूबने के बाद उसने कर्ज चुकाने के लिए 24 जुलाई की रात ताला और लॉकर काटकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

पैसों के विवाद में तहेरे-चचेरे भाइयों में खूनी टकराव, घर की गैलरी में फायरिंग का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र के सादिकपुर उर्फ काजीपुरा गांव में पैसों के लेन-देन को लेकर तहेरे-चचेरे भाइयों के बीच विवाद हिंसक झड़प और कथित फायरिंग तक पहुंच गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। काजीपुरा निवासी अंकुश चौधरी पुत्र जसवीर सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 अगस्त की शाम करीब 6:45 बजे वह ड्यूटी से घर लौट रहा था। आरोप है कि पंचायत घर के पास उसके ताऊ के बेटे वंश चौधरी और अनमोल उर्फ सूचा ने उसे रोक लिया और पैसों के विवाद को लेकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित का आरोप है कि दोनों ने उसके साथ अभद्रता की और जान से मारने की धमकी भी दी। अंकुश के मुताबिक वह किसी तरह वहां से बचकर अपने घर पहुंचा। कुछ देर बाद घर में मौजूद रहने के दौरान उसे गोली चलने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर वह बाहर आया और अपने पिता जसवीर सिंह से जानकारी ली। आरोप है कि पिता ने उसे बताया कि वंश चौधरी घर की गैलरी में गोली चलाकर वहां से भाग गया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि वंश की मां नीतू ने खुद अपने सिर में चोट मार ली और इसके बाद उसके परिवार को झूठे पुलिस केस में फंसाने की धमकी देकर वहां से चली गईं। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि अंकुश चौधरी की शिकायत के आधार पर वंश चौधरी और अनमोल उर्फ सूचा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

खोड़ा में दिल दहला देने वाली वारदात: पति पर पत्नी और बेटी की हत्या का आरोप, दूसरी बेटी घायल

पति बना हैवान! पत्नी और बेटी की हत्या, दूसरी बेटी को भी किया घायल

आरोपी

मृतक पत्नी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना खोड़ा क्षेत्र के लोकप्रिय विहार में शनिवार देर रात दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। आरोप है कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और 15 वर्षीय बेटी की हत्या कर दी, जबकि 14 वर्षीय दूसरी बेटी को घायल कर दिया।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त की रात करीब 12:15 बजे सूचना मिली कि लोकप्रिय विहार की गली नंबर-3 में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटी की हत्या कर दी है।

मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि मूल रूप से अररिया, बिहार निवासी राजा अंसारी अपनी पत्नी बीबी तबस्सुम और बेटियों सना तबस्सुम व रूबी तबस्सुम के साथ मकान की चौथी मंजिल पर रहता था। आरोप है कि राजा अंसारी ने पत्नी बीबी तबस्सुम और बेटी सना तबस्सुम की हत्या कर दी, जबकि रूबी तबस्सुम को घायल कर दिया। घायल बच्ची को तत्काल एमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पुलिस ने दोनों शव कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

विद्युत कार्यों में देरी पर सीडीओ सख्त

अफसरों को तय समय में काम पूरा करने का अल्टीमेटम

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। विभिन्न निमार्णाधीन परियोजनाओं में विद्युत कार्यों के कारण आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समन्वय बैठक हुई। बैठक में लोक निर्माण विभाग समेत विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं के लंबित कार्यों की समीक्षा की गई।

सीडीओ ने विद्युत विभाग को लंबित कार्यों का शीघ्र निस्तारण करते हुए निर्धारित समय सीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए। तुलसी निकेतन यू-टर्न का विद्युत कार्य 30 सितंबर, फर्रुखनगर-सिरौरा व बन्थला-ढिकौली मार्ग के कार्य 15 सितंबर तथा मोदीनगर-हापुड़ मार्ग का कार्य 20 अक्टूबर तक पूरा करने के निर्देश दिए गए। दिल्ली-कानपुर मार्ग के शेष 60 प्रतिशत विद्युत कार्य को भी 15 सितंबर तक पूर्ण करने को कहा गया।

सीडीओ ने जीडीए, नगर निगम और नगर पालिकाओं से लंबित विद्युत कार्यों की सूची अधीक्षण अभियंता विद्युत को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगली समीक्षा बैठक से पहले सभी बिंदुओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

अंकुर विहार में हत्या का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना अंकुर विहार पुलिस ने हत्या के मामले का अल्प समय में खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 20 अगस्त को वादिया ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि सपन कुमार ने तीन अन्य आरोपियों के साथ षड्यंत्र कर उसके पुत्र सोनू पर घात लगाकर घातक हथियार से हमला किया। आरोप है कि जातिसूचक गालियां देते हुए मारपीट की गई, जिसमें गंभीर रूप से घायल सोनू की उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में बीएनएस की सुसंगत धाराओं और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई। शनिवार को सीसीटीवी फुटेज, मैनुअल इनपुट और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी सपन सिंह, किरन सिंह, रेखा सिंह और गुंजन को सभापुर अंडरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

पनीर के नाम पर 'जहर'! 350 किलो मिलावटी पनीर बरामद, जांच के बाद नष्ट

कपिल चौहान

गौतम बुद्ध नगर (वेलकम इंडिया)। स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। डीएम के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए 350 किलो मिलावटी पनीर बरामद किया है। जांच के बाद पनीर को नष्ट करा दिया गया।

बताया गया कि अलीगढ़ से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सप्लाई के लिए लाए गए इस पनीर में स्टार्च, पाम ऑयल, सोयाबीन ऑयल समेत अन्य पदार्थों की मिलावट पाई गई। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह पनीर मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। इसके सेवन से गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और दोषियों पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि आमजन के स्वास्थ्य के साथ किसी भी कीमत पर खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

घंटाघर-भाटिया मोड़ एलिवेटेड रोड को मिली मंजूरी, शहर को जाम से मिलेगी राहत

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। घंटाघर से भाटिया मोड़ तक करीब दो किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड के निर्माण प्रस्ताव को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में अर्बन चैलेंज फंड के तहत मंजूरी मिल गई है। शहर विधायक संजीव शर्मा ने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और सांसद अतुल गर्ग का आभार जताया।

विधायक ने कहा कि इस परियोजना की मुहिम सांसद अतुल गर्ग ने शुरू की थी और उन्होंने केंद्र सरकार के समक्ष लगातार प्रस्ताव रखकर इसकी जरूरत को प्रमुखता से उठाया। परियोजना का काम करीब तीन माह में शुरू होने की उम्मीद है। एलिवेटेड रोड बनने से घंटाघर से भाटिया मोड़ और आगे लाल कुआं तक यातायात सुगम होगा तथा जाम का दबाव कम होगा। विधायक ने कहा कि लाल कुआं से दादरी तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड के पूरा होने पर गाजियाबाद से दादरी, खुर्जा, बुलंदशहर और नोएडा की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

वसुंधरा में मैकडॉनल्ड्स के सामने खूनी हमला, युवक पर चाकू-चापड़ से ताबड़तोड़ वार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। वसुंधरा सेक्टर-1 में शनिवार शाम मैकडॉनल्ड्स के सामने पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम करीब छह से सात बजे के बीच युवकों में कहासुनी हुई, जिसके बाद कुछ हमलावरों ने चाकू और चापड़ निकालकर युवक पर कई वार कर दिए।

गंभीर रूप से घायल युवक खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़ा। वारदात के बाद हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। सूचना पर थाना इंदिरापुरम पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई गई है।

पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला पुरानी रंजिश या वर्चस्व से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

देहरादून की लूट का पैसा मोरटा की जमीन में लगा! 20 करोड़ की संपत्ति कुर्क

कपिल चौहान

तहसीलदार रितेश कुमार सिंह

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। मोरटा इलाके में गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने करीब 20 करोड़ रुपये कीमत की 1.33 हेक्टेयर जमीन कुर्क कर ली। यह कार्रवाई देहरादून जिलाधिकारी के आदेश पर की गई। कुर्की के दौरान राजस्व विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रही।

तहसीलदार ने बताया कि संबंधित जमीन का बैनामा साधना एसोसिएट्स/साधना एसोसिएशन ट्रैक्टर लिमिटेड के अधिकृत प्रतिनिधि हर्षिता त्यागी के नाम से हुआ है। जांच में आशंका जताई गई है कि देहरादून में हुई लूट की घटना से अर्जित धन को इस जमीन की खरीद में निवेश किया गया। इसी आधार पर देहरादून जिलाधिकारी के आदेश के तहत गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई करते हुए भूमि को कुर्क किया गया। प्रशासन ने फिलहाल संबंधित 1.33 हेक्टेयर जमीन पर ही कार्रवाई की है। कुर्की की कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मचा रहा।

हॉकी के मैदान में पुलिस खिलाड़ियों का दमखम, गौतमबुद्धनगर ने 10-0 से दर्ज की शानदार जीत

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। शहीद विजय सिंह पथिक स्टेडियम में मेरठ जोन की 27वीं अंतरजनपदीय पुलिस हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय अजय कुमार ने किया। उद्घाटन के साथ ही पुलिस खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष वर्ग में गौतमबुद्धनगर की टीम ने बुलंदशहर को एकतरफा मुकाबले में 10-0 से करारी शिकस्त दी। वहीं मेरठ ने गाजियाबाद को 1-0 से हराया। बागपत ने सहारनपुर को 6-1 से मात देकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

महिला वर्ग में गाजियाबाद ने हापुड़ को 6-0 से हराया, जबकि मेरठ ने गौतमबुद्धनगर को 2-0 से शिकस्त देकर फाइनल में स्थान पक्का किया। प्रतियोगिता के अगले मुकाबले 23 अगस्त को खेले जाएंगे।

NGT में साहिबाबाद ड्रेन पर अवैध निर्माण का मामला गरमाया, UPSIDA ने कार्रवाई का दिया आश्वासन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिनांक 21-8-2026 को राष्ट्र्य हरित अधिकरण प्रधान न्याय पीठ (NGT) दिल्ली में श्री हाजी आरिफ बनाम यू पी स्टेट आदि में साहिबाबाद ड्रेन नंबर 01, में दाखिल एग्जीक्यूशन एप्लीकेशन (EA) के जरिए, एप्लीकेंट ट्रिब्यूनल के ड.अ. नंबर 16/2014 में पास किए गए 10.02.2023 के ऑर्डर का पालन करने की माँग पर सुनवाई की गई ।

1. O.A. में, श्री हाजी आरिफ ने गाजियाबाद में साहिबाबाद ड्रेन नंबर 1 के बेड और बफर जोन (ड्रेन के किनारे से 12 मीटर) के अंदर गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन के बारे में NGT को शिकायत की थी। ट्रिब्यूनल ने O.A. का निपटारा कर दिया था। नीचे दिए गए निर्देश देकर:-

12. इसलिए, कोई दूसरा ऑप्शन न होने पर, ट्रिब्यूनल के 13.05.2022 के निदेर्शों का पालन करना होगा। इसके लिए बफर जोन (नाले के किनारे से 12 मीटर) में पड़ने वाले गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन को हटाना होगा और नाले में बिना ट्रीट किया हुआ सीवेज डालना बंद करके, नाले को सिर्फ. बरसाती/ (स्टॉर्म वॉटर) बनाए रखकर, नाले को गंदा होने से रोकना होगा। नाले में आने वाला सीवेज को ट्रीट किया जाना चाहिए और ट्रीट किए गए पानी का इस्तेमाल खेती, बागवानी, इंडस्ट्रियल, पार्क, गार्डन या ऐसे किसी भी दूसरे नॉन-कॉन्टैक्ट मकसद के लिए किया जाना चाहिए।' इस O.A. के पेंडिंग रहने के दौरान, RO, UPPCB ने 18.08.2026 को इंस्पेक्शन करवाया था और उस इंस्पेक्शन रिपोर्ट को RO, UPPCB के 20.08.2206 के जवाब के साथ एनेक्सर-1 के तौर पर एनजीटी में फाइल किया गया है। 'ऊपर बताए गए विषय पर 18.08.2026 को

साइट का इंस्पेक्शन किया गया और नतीजे इस तरह है।

I. इंस्पेक्शन के दौरान उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने यह देखा कि प्लॉट नंबर 60/2/1 साइट-IV इंडस्ट्रियल एरिया साहिबाबाद गाजियाबाद के मालिक द्वारा साहिबाबाद ड्रेन पर गैर-कानूनी तरीके से कंस्ट्रक्शन का काम किया जा रहा है, जैसा कि आवेदक श्री हाजी आरिफ ने आरोप लगाया है। इंस्पेक्शन के समय साइट पर कोई मौजूद नहीं था, इसलिए नियम तोड़ने वालों की पहचान नहीं हो सकी।

II उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने एनजीटी को अवगत यह भी किया कि इंस्पेक्शन के दौरान, ड्रेन के 30 मीटर हिस्से पर लगभग 9.5 मीटर चौड़ी लोहे की जाली बनी हुई मिली।

III. श्री हाजी आरिफ ने यह बताया की साहिबाबाद ड्रेन गाजियाबाद और दिल्ली से होकर गुजरने वाला एक बरसाती नाला/स्टॉर्म वॉटर है। यह लोनी से शुरू होता है, वैशाली और साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया साइट-IV जैसे शहरी सेक्टरों से होकर बहता है और आखिर में गाजीपुर और शाहदरा ड्रेन से मिलता है। यह आस-पास की कॉलोनियों से निकलने वाले बिना ट्रीट किए सीवेज डिस्चार्ज के साथ-साथ ट्रीट किए गए इंडस्ट्रियल कचरे को भी बहाता है। साइट-IV इंडस्ट्रियल एरिया। साहिबाबाद ड्रेन इंदिरापुरम में मौजूद 74 MLD के STP से जुड़ा है। साहिबाबाद ड्रेन की रेगुलर मॉनिटरिंग UPPCB गाजियाबाद कर रहा है। इस बारे में, जुलाई 2026 के महीने में साहिबाबाद ड्रेन से उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सैंपल के टेस्ट भी लिए थे। यह भी देखने योग्य बात है की साहिबाबाद ड्रेन के बेड में और बफर जोन (ड्रेन के किनारे से 12 मीटर) के अंदर ढकने के लिए प्लॉट मालिकों द्वारा किया जा रहा है जो माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के 12 दिसंबर, 2013 के आदेश का उल्लंघन है। 10.02.2023 को श्री हाजी आरिफ बनाम स्टेट ऑफ यू.पी. एंड ऑर्स. के मामले में O.A. नंबर 16/2024 में पास हुए आदेश के अनुसार, UPPCB ने 19.08.2026 को रीजनल मैनेजर यू.पी. स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (UPSIDA) को एक लेटर भेजा है, जिसमें साहिबाबाद ड्रेन पर हो रहे कंस्ट्रक्शन के कामों को रोकने के खिलाफ एक्शन लेने और माननीय NGT के 10.02.2023 के ऑर्डर का पालन पक्का करने की रिक्वेस्ट की गई है।

1. आवेदक के वकील ने ऊपर दी गई रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (UPSIDA) ट्रिब्यूनल के आदेशों का उल्लंघन करते हुए अवैध कंस्ट्रक्शन कर रही है। इसलिए, UPSIDA के अधिकारियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए।

2.NGT में यूपीसीडा की ओर से पेश वकील ने कहा है कि आगे कोई अवैध कंस्ट्रक्शन नहीं होगा और UPSIDA अवैध कंस्ट्रक्शन में शामिल प्लॉट होल्डर्स के खिलाफ कार्रवाई करेगा। उन्होंने NGT में इस ए.अ. में जवाब फाइल करने के लिए चार हफ़्ते का समय मांगा है।

वैशाली लालबत्ती पर तेज रफ्तार ट्रक ने युवक को कुचला, मौत के एक माह बाद मुकदमा दर्ज

ट्रांस हिंडन(वेलकम इंडिया)। लिंक रोड थाना क्षेत्र में वैशाली लालबत्ती के पास तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसा करीब एक महीने पहले हुआ था, लेकिन अंतिम संस्कार और अन्य पारिवारिक प्रक्रियाओं के बाद मृतक के भाई ने ट्रक नंबर के आधार पर आरोपी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। वैशाली सेक्टर–एक स्थित बुद्ध विहार, अंसल प्लाजा निवासी मनीष कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 20 जुलाई की रात करीब साढ़े 10 बजे वह अपने भाई पप्पू के साथ घरेलू काम से जा रहे थे। इसी दौरान वैशाली लालबत्ती के पास सड़क पार करते समय तेज रफ्तार ट्रक ने पप्पू को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। घायल पप्पू को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।